संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -322 सोमवार ,23 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

केजरीवाल ने बताया क्यों छोड़ी सीएम की कुर्सी

याद दिलाया अन्ना आंदोलन

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2024 (ए)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 'जनता की अदालत' का आगाज़ करते हुए स्पष्ट किया कि उन्हें मुख्यमंत्री पद की लालसा नहीं है। उन्होंने अपने संबोधन में अन्ना आंदोलन के दिनों को याद किया, जब 2011 में भ्रष्टाचार के खिलाफ जंतर-मंतर से यह आंदोलन शुरू हुआ था। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें सीएम की कुर्सी की भूख नहीं, बल्कि जनता की सेवा में ही उनकी प्राथमिकता है।

केजरीवाल ने बताया कि जब सरकार ने उन्हें चुनौती दी कि चुनाव जीतकर दिखाओ, तब उनके पास न पैसा था, न आदमी थे, न गुंडे। लेकिन, जनता के समर्थन से उन्होंने 2013 में साबित किया कि ईमानदारी से भी चुनाव लड़ा और जीता जा सकता है।

अधीर रंजन चौधरी की छुट्टी, शुभंकर सरकार बने नए प्रदेशाध्यक्ष

कोलकाता,22 सितम्बर 2024 (ए)। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर बड़ा बदलाव करते हुए शुभंकर सरकार को नया प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। वे अधीर रंजन चौधरी की

जगह लेंगे, जो लंबे समय से इस पद पर थे। शुभंकर सरकार, जो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव थे, अब राज्य इकाई का नेतृत्व करेंगे। इससे पहले वे अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, और मिजोरम का प्रभार संभाल चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुभंकर सरकार की नियुक्ति की घोषणा की, और साथ ही अधीर रंजन चौधरी के योगदान की सराहना भी की। अधीर रंजन ने लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, और तब से नए नेतृत्व की तलाश चल रही थी।

लॉरेन्स-गोल्डी गैंग की धमकियों से कारोबारियों में दहशत

5-5 करोड़ की मांगी फिरौती,स्पेशल सेल करेगी मामलों की जांच

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2024 (ए)। दिल्ली में कारोबारियों को लारेंस बिश्नोई , रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के नाम से धमकी भरी कॉल्स मिल रही हैं, जिससे व्यापारियों में भारी दहशत फैल गई है। इन कॉल्स में करोड़ों रुपए की मांग की जा रही है और पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। हाल ही में दो नए मामले सामने आए हैं, जिनमें कॉल करने वालों ने 5-5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है।

कुएं में जहरीली गैस का कहर, तीन लोगों की दर्दनाक मौत

बांदा ,22 सितम्बर 2024 (ए)। जिले के बिसंडा थाना क्षेत्र के बड़ागांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। रविवार को एक कुएं में गिरी चप्पल निकालने के प्रयास में तीन लोग जहरीली गैस के संपर्क में आकर बेहोश हो गए। घटना के तुरंत बाद एसडीएम बेबरू मौके पर पहुंचे और बेहोश लोगों को बाहर निकाला गया। तीनों को ट्रामा सेंटर भेजा गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। दुर्भाग्य से, इलाज के दौरान तीनों ने दम तोड़ दिया। इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

अधिकारियों द्वारा मामले की जांच की जा रही है और इस घटना ने कुओं में सुरक्षा मानकों की कमी को एक बार फिर उजागर किया है।

सीएम समेत मंत्रियों के विभागों का हुआ बंटवारा

दिल्ली मंत्रालय का मंत्रियों के विभागों को लेकर दिया अधिकार

दिल्ली के सीएम कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सबसे अधिक मंत्रालय सीएम आतिशी को मिले...

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2024 (ए)। दिल्ली में सीएम अतिशी के साथ 5 मंत्रियों ने शपथ ली। इसके बाद मंत्रियों के विभागों की घोषणा हुई। दिल्ली के सीएम कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सबसे अधिक मंत्रालय सीएम आतिशी के पास होंगे। उनके पास 13 मंत्रालय हैं, जिनमें वित्त और राजस्व विभाग शामिल है।सौरभ भारद्वाज को आठ मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई हैं। गोपाल राय के पास तीन विभाग रहेंगे। कैलाश गहलोत और मुकेश अहलावत के पास पांच पांच विभाग की जिम्मेदारी है। वहीं इमरान हुसैन को दो विभाग सौंपे गए है। स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी एकबार फिर सौरभ भारद्वाज को दी गई है। वहीं गोपाल राय पहले की तरह पर्यावरण मंत्री बने रहेंगे। पहले की तरह कैलाश गहलोत परिवहन विभाग संभालेंगे। खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग इमरान हुसैन को मिला है। मुकेश अहलावत को श्रम, रोजगार और अनुसूचित जाति व जनजाति विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के पास 13 विभाग

1.लोक निर्माण विभाग
2.बिजली
3.शिक्षा
4.उच्च शिक्षा
5.प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा
6.पब्लिक रिलेशन
7.राजस्व
8.वित्त
9.प्लानिंग
10.सेवा
11.विजिलांस
12.जल
13.कानून, न्याय एवं विधायी मामलों का विभाग

मुकेश अहलावत (मंत्री)

1.गुरुद्वारा चुनाव
2.एससी एवं एसटी
3.भूमि एवं इमारत
4.श्रम
5.रोजगार

सौरभ भारद्वाज (मंत्री)

1.शहरी विकास
2.सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण
3.स्वास्थ्य
4.उद्योग
5.कला, संस्कृति एवं भाषा
6.पर्यटन
7.सामाजिक कल्याण
8.को-ऑपरेशन

गोपाल राय (मंत्री)

1.विकास
2.सामान्य प्रशासन विभाग
3.पर्यावरण, वन एवं वन्य जीवन

इमरान हुसैन (मंत्री)

1.फूड एवं सप्लाई
2.चुनाव

कैलाश गहलोत (मंत्री)

1.परिवहन
2.प्रशासनिक सुधार
3.सूचना एवं प्रौद्योगिकी
4.गृह
5.महिला एवं बाल विकास

हाई कोर्ट के जज ने पाकिस्तान वाली टिप्पणी पर जताया खेद

बैंगलुरू,22 सितम्बर 2024(ए)। कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी श्रीशानंद ने अपने हालिया बयानों पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ऐसा अनजाने में हुआ। समाज के किसी व्यक्ति या वर्ग की भावनाओं को आहत के लिए नहीं था। यह स्पष्टीकर उन्होंने बेंगलुरु एडवोकेट्स एसोसिएशन के सदस्यों की मौजूदगी में अदालत में दिया।

क्या था विवादित बयान?

न्यायाधीश श्रीशानंद ने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी से अगर किसी को दुख पहुंचा है तो उन्हें दिल से पछतावा है। दरअसल, जस्टिस श्रीशानंद ने 28 अगस्त को रोड सेफ्टी पर चर्चा के बाद विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने बेंगलुरु के एक इलाके को पाकिस्तान बताया था। वहीं, दूसरी टिप्पणी एक महिला वकील के लिए की गई थी। दोनों ही टिप्पणियों की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हुई।

बीएए के अध्यक्ष ने क्या कहा?

बेंगलुरु एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक सुब्बा रेड्डी ने कहा कि महिला वकील के लिए अपनी टिप्पणी के लिए जज ने स्पष्ट किया कि यह टिप्पणी मुवक्किल के ज्ञान के बारे में थी और वकील के लिए सही नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि वह अच्छे न्यायाधीश हैं, लेकिन उन्हें ऐसे बयान नहीं देने चाहिए, जो मामले के लिए आवश्यक नहीं है। इस पर न्यायाधीश श्रीशानंद ने कहा कि वह भविष्य में ऐसी कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 20 सितंबर को जस्टिस श्रीशानंद की विवादास्पद टिप्पणियों वाली वीडियो क्लिप पर स्वत- संज्ञान लिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई, सूर्यकांत और हृषिकेश रॉय की 5 न्यायाधीशों की पीठ ने कर्नाटक हाई कोर्ट से रिपोर्ट मांगने का आदेश पारित किया। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी।

आर्मी स्पेशल ट्रेन को थी उड़ाने की साजिश

धमाकों की आवाज सुनकर चालक ने रोकी ट्रेन

बुरहानपुर,22 सितम्बर 2024(ए)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में, दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर नेपानगर तहसील के समीप स्थित सागफाटा रेलवे स्टेशन पर एक बड़ी घटना घटित हुई। बुधवार को जम्मू-कश्मीर से कर्नाटक जा रही सेना की एक स्पेशल ट्रेन के सामने धमाके की आवाज सुनाई दी। चालक की सजगता के कारण ट्रेन को तुरंत रोका गया, जिससे संभावित खतरे को टालने में मदद मिली।

जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर से कर्नाटक जा रही स्पेशल ट्रेन 18 सितंबर को करीब 2.30 बजे गुजरी तो अचानक पटाखों के लगातार ब्लास्ट की आवाज सुनाई दी। इस पर सागफाटा स्टेशन पर लोको पायलट ने स्टेशन मास्टर को मेमो दिया। सागफाटा में ये ट्रेन वैसे रुकती नहीं है, लेकिन घटना की जानकारी देने के लिए कुछ देर ट्रेन को रोका गया।इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बरतते हुए मामले की गहन जांच शुरू कर दी। खंडवा रेलवे पुलिस, स्थानीय मप्र पुलिस, और एटीएस ने मिलकर यह पता लगाने का प्रयास किया कि क्या इस घटना के पीछे कोई साजिश है या यह शरारत का मामला है।

ममता ने पीएम पर लगाया आरोप

बंगाल की बाढ़ इंसान द्वारा बनाया हुआ है,पानी छोड़ने से पहले सलाह नहीं ली

कोलकाता,22 सितम्बर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में आई बाढ़ पर पीएम मोदी को एक और लेटर लिखा है। 2 दिन के अंदर लिखी दूसरी चिट्ठी में ममता ने आरोप लगाया कि दामोदर घाटी निगम ने उनसे सलाह लिए बिना पानी छोड़ा, जिससे बंगाल के जिले डूब गए। इससे पहले ममता ने 20 सितंबर को भी पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी थी। इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि दामोदर घाटी निगम के तहत आने वाले बांधों से 5 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण बंगाल में बाढ़ आई।

इधर, बंगाल सरकार और केंद्र के बीच चल रही जुबानी जंग के बीच राज्य के बिजली सचिव शांतनु बसु ने षड्भुष्ट बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है।

बसु के अलावा बंगाल के सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर ने भी रेगुलेशन कमेटी से इस्तीफा दे दिया है। दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति में केंद्रीय जल आयोग, पश्चिम बंगाल, झारखंड और दामोदर वैली निगम के प्रतिनिधि होते हैं।

ममता की पीएम को लिखी दूसरी चिट्ठी की बड़ी बातें...

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री का दावा है कि डीव्हीसी बांधों से पानी छोड़ा जाना पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधियों से परामर्श लेने, दामोदर घाटी रिजर्वायर रेग्युलेशन कमेटी की सहमति और सहयोग से किया गया था, मैं इससे असहमत हूं। सभी अहम फैसले केंद्रीय जल आयोग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार आम सहमति के बिना एकतरफा लेती है। कभी-कभी राज्य सरकार को बिना सूचना दिए पानी छोड़ दिया जाता है। हमारे विचारों का सम्मान नहीं किया जाता।

तांत्रिक बोले मुर्दे को कर देंगे जिंदा और पढ़ने लगे मंत्र

तांत्रिकों ने एक पुस्तक निकाली और उसको पढ़ने लगे मंत्र

नई दिल्ली ,22 सितम्बर 2024 (ए)। यूपी के गोरखपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक गांव में पहुंचे दो पुरुष और एक महिला तांत्रिक ने दावा किया कि इस मुर्दे को हम लोग जिंदा कर देंगे। जिसके बाद वहां कई लोगों की भीड़ जुट गई।

पुरुष और एक महिला तांत्रिक ने कहा कि हम इसे जिंदा तो कर देंगे लेकिन बदले में पैसे लगेंगे। जिसका बाद घरवालों ने सोच समझ कर मुर्दे को जिंदा करने का फैसला ले लिया। फिर तांत्रिकों ने तंत्र-मंत्र शुरू किया। दरअसल, चौरीचौरा थाना क्षेत्र के छेटकी बरही गांव के रहने वाले 48 वर्षीय लोरिक की तबीयत कुछ दिनों से खराब थी। घर के लोग इलाज करवा रहे थे, लेकिन कोई विशेष फायदा नहीं हो रहा था। इसी दौरान बीती रात उनकी अचानक मौत हो गई। सुबह लोग शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान दूसरे समुदाय के दो पुरुष और एक महिला तांत्रिक मौके पर पहुंचे। उन लोगों ने कहा कि हम इस मुर्दे को जिंदा कर देंगे। केवल आपको खर्चे के लिए रुपए देने होंगे। इस तरह का काम हम लोगों ने पहले भी किया है, लेकिन इसके लिए अधिक रुपए खर्च होंगे। यदि आप लोग तैयार हों तो हम अपना कारनामा करके दिखा देंगे। परिजन की सहमति मिलने पर तांत्रिक अपनी तंत्र साधना शुरू कर दिए। तांत्रिकों ने एक पुस्तक निकाली और उसको पढ़ने लगे। फिर शव के ऊपर पानी व फूल डालने लगे। दो घंटे बाद भी जब शव में कोई हरकत नहीं हुई तो लोग इसे फर्जी समझने लगे। इस दौरान ग्रामीण काफी संख्या में जुट गए थे। इसी बीच, किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

जिसके बाद गांव में पहुंची पुलिस ने तीनों तांत्रिकों को गिरफ्तार कर लिया और शव को अंतिम संस्कार के लिए भेज दिया।

30 टुकड़ों में काटकर फ्रिज में रखा गया था शव को

- किसी परिचित पर मर्डर की आशंका...
- जांच के लिए बनाई गई 8 टीमें

बेंगलुरु,22 सितम्बर 2024 (ए)। भारत की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बेंगलुरु में हत्या के एक मामले ने लोगों को हिला कर रख दिया। यहां एक महिला के शव के 30 टुकड़े फ्रिज से बरामद हुए। वहीं महिला का शव चार से पांच दिन पुराना बताया जा रहा है।

फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है कि महिला की हत्या कब, किसने और क्यों की है। फिलहाल महिला के शव के टुकड़ों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वहीं मामले की जांच के लिए 8 स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। वहीं महिला का सीडीआर स्कैन भी कराया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि किसी परिचित ने ही घटना को अंजाम दिया है।

नेपाल की रहने वाली है महिला

दरअसल, बेंगलुरु के वय्यालिकावल पुलिस थाना क्षेत्र के वीरन्ना रोड पर एक मकान से महिला के शव के टुकड़े बरामद किए गए। महिला के शव के तीस टुकड़े करके उसे फ्रिज में रखा गया था। बदबू होने के बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी हुई। वहीं मामले सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक महिला महालक्ष्मी के शव के 30 टुकड़े कर फ्रिज में रखे गए थे।पुलिस का कहना है कि महिला मूलतः नेपाल की रहने वाली थी और यह कई सालों से बेंगलुरु में रह रही थी।

साथ काम करने वाले लोगों से पूछताछ

पुलिस ने बताया कि महिला घर पर अकेली रहती थी और उसका पति बेंगलुरु के पास ही एक आश्रम में काम करता है। फिलहाल महिला के शव का बॉरिंग हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम हो रहा है। वहीं मामले की जांच के लिए 8 स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। महिला का सीडीआर स्कैन किया जा रहा है। पुलिस का मानना है कि किसी परिचित ने ही महिला की हत्या की है। इसके अलावा पुलिस की टीम इलाके के सभी सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। वहीं जिस मॉल में महिला काम करती थी, उसके साथ काम करने वाले लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

संपादकीय

चुनाव जहरीला भी हुआ और हास्यास्पद भी

दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव तमाशा बन गया है। अकेले ट्रंप के कारण चुनाव जहरीला भी हुआ और हास्यास्पद भी।अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में वह सब हो रहा है, जो आधुनिक समय में सोचा भी नहीं गया था। जैसे जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे वैसे प्रचार में जहर घुलता जा रहा है। पूर्व राष्ट्रपति और इस बार के चुनाव में राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरी बार हमले का प्रयास हुआ है। 13 जुलाई को पेन्सिलवेनिया में ट्रंप के ऊपर हमला हुआ था। तब गोली उनके कान को छूकर निकली थी।हमलावर को उसी समय सीक्रेट सर्विस ने मार गिराया था। दूसरी बार फ्लोरिडा में हमले का प्रयास हुआ है। हालांकि सीक्रेट सर्विस पक्के तौर पर नहीं कह रही है कि ट्रंप पर गोली चली लेकिन फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी के इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में एक व्यक्ति हथियार के साथ मौजूद था, जिस पर सीक्रेट सर्विस ने गोली चलाई और वह व्यक्ति हथियार छोड़ कर भाग गया। एफबीआई मामले की जांच कर रही है। जो हथियार बरामद हुआ है वह एके-47 राइफल की तरह का है।अमेरिका जैसे देश में, जहां हथियार बहुत सहज रूप से लोगों को उपलब्ध हैं, वहां अगर राजनीतिक विभाजन इतना बढ़ता है कि मरने मारने की प्रवृत्ति आ जाए तो यह बहुत खतरनाक है। इसके लिए ट्रंप का प्रचार और उनका भाषण बहुत हद तक जिम्मेदार है। उन्होंने अमेरिकी समाज को दोस्त और दुश्मन में बांट दिया है। उन्होंने ऐसा माहौल बना दिया है, जिसमें जो उनके साथ है वह अमेरिका का दोस्त है और जो उनके खिलाफ है वह अमेरिका का दुश्मन है। ऐसी सोच अमेरिकी चुनाव में पहले कभी नहीं रही। ट्रंप बार बार इसका प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी और उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ डिबेट में जिस तरह की बातें कहीं वह इसकी मिसाल हैं। इसके बावजूद वे डिबेट में पिछड़ गए और अब कह रहे हैं कि फिर हैरिस के साथ डिबेट नहीं करेंगे।ट्रंप के तमाशे यही खत्म नहीं होते हैं। उन्होंने प्रवासियों को लेकरर ऐसी बातें कही हैं, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा होगा कि राष्ट्रपति रहा कोई व्यक्ति इतने भद्दे आरोप लगाएगा। ट्रंप ने हैती के प्रवासियों पर आरोप लगाया है कि वे अमेरिकी लोगों के पालतू जानवरों यानी कुत्ते, बिल्लियों को मार कर खा रहे हैं। यह मानवीय गरिमा से गिरा हुआ आरोप है। इसके लिए पूरे अमेरिका की हंसी उड़ रही है। कहां तो ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए लडने उतरे हैं और कहां लोगों के पालतू पशुओं की प्रवासियों से रक्षा की बहस में उलझ गए हैं।

मजबूत हो रहे सड़क,शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य के चार पिलर

» साय सरकार की दूरदर्शी सोच से मजबूत हुई ईज ऑफ़ लिविंग की अवधारणा

» शासकीय विभागों और जनसरोकार से जुड़े कार्यों के डिजिटलाइजेशन से आई पारदर्शिता...

डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ के विकास की रफ्तार नये कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है जो राष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ की पहचान एक अलग मुकाम तक पहुंचा रही है। छत्तीसगढ़ के सड़क, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य के लिए केंद्र से छत्तीसगढ़ को 11।1 करोड़ रूपए मिले हैं। छत्तीसगढ़ केंद्र सरकार की पूंजीगत व्यय यानी कैपेक्स के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत टॉप-5 पर पहुँच गया है। छत्तीसगढ़ असम, गुजरात, हिमाचल, त्रिपुरा, गोवा और सिक्किम जैसे राज्यों की तुलना में आगे है। ईज ऑफ़ लिविंग की अवधारणा को मजबूत करने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार लगातार कदम बढ़ा रही है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक हर वर्ग के लोगों की समस्याओं को समझकर उनके हित में कार्य और त्वरित निर्णय से जनता और सरकार के बीच का रिश्ता मजबूत हुआ है। यही कारण है कि केंद्र सरकार के कैपेक्स में पूरे देश में छत्तीसगढ़ टॉप-5 में है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने एक नया विभाग भी बनाया है। सुशासन एवं अभिसरण (गुड गवर्नेंस एवं कन्वर्जेंस) विभाग अन्य शासकीय विभागों में जनता को आने वाली समस्याओं को समझकर उनके समाधान पर कार्य करेगी। हितग्राहियों को सरकार की योजनाओं का सौ फीसदी लाभ सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर स्तर पर परफॉरमेंस रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। शासकीय विभागों और जनसरोकार से जुड़े कार्यों के डिजिटलाइजेशन से न केवल कार्यों में पारदर्शिता आ रही है बल्कि विभागों का परफोरमेंस भी बेहतर हो रहा है। सरकार के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। शासकीय विभागों को समय के अनुरूप अपडेट करने के लिए भी छत्तीसगढ़ सरकार अहम् कदम उठा रही है, जिसमें लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत जनता से जुड़ी 90 सुविधाओं का डिजिटलीकरण, शासकीय खरीदी में पारदर्शिता लाने के लिए जैम पोर्टल की शुरुआत। सभी शासकीय विभाग के लिए अलग-अलग पोर्टल का निर्माण और ई-ऑफिस की दिशा में बढने की पहल, शासकीय विभागों से सम्बंधित विभिन्न व्यापारिक और औद्योगिक इकाईयों के एनओसी की प्रक्रिया के सरलीकरण जैसे निर्णय ईज ऑफ़ लिविंग की अवधारणा को मजबूती देने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय की दूरदर्शी सोच को दर्शाती है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के स्वरुप पर आधारित केंद्र सरकार की नीतियों से आमजनों के जीवन को बेहतर बनाने के मिशन पर भी तेजी से कार्य हो रहा है। प्रदेश के युवाओ को उद्यम से जोडने की बात हो या किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण वितरित करने की छत्तीसगढ़ सरकार दोनों स्तर पर परिवर्तनकारी कदम उठा रही है जिसका परिणाम दिखने लगा है। यही कारण है कि खर्च और निवेश की सम्भावनाओं वाले देश के ।88 जिलों में छत्तीसगढ़ का डीपीआई स्कोर 3।.0 है जो दिल्ली 68.2, पश्चिम बंगाल 42.9, उत्तराखंड 41.0 के मुकाबले बेहतर है। दूसरे राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं, इन कार्यों को आमजनों की जरूरतों के अनुकूल किया जा रहा है।

-धनंजय राठौर-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मेरी बिटिया

घटती-घटना

अशोक पटेल

शिवरीनारायण (छ.ग.)

मेरी बिटिया मेरे लिए,कीमती उपहार है
इससे ही सँवरती है, मेरा घर-परिवार है।
तू घर की बगिया, महकाती फूल-डार है
तू मेरे घर-आंगन में,लाती सदा बहार है।
तेरे बिना, घर-आंगन,सुना है,निराधार है
तुझसे घर की, रौनकता, तुझसे बहार है।
तुझसे ही, मेरी मर्यादा, तू मान-सम्मान है
मेरा अस्तित्व, कुछ नही, तू अभिमान है।
तेरे बिना मैं कुछ नही, तू मेरी पहचान है
तू न होती अगर तो,न आता मै जहान में।
तू है दो कुलों की मर्यादा,तू ही मिलाती है
तू है घर की लक्ष्मी, दोनों को मिलाती है।
तू शक्ति माँ की मूरत,बहना,तू अर्धांगनी है
तू ही पग-पग चलती,तू सहचर-संगिनी है।
तू ही दुर्गा,तू ही काली, तू लक्ष्मी समान है
तू शक्ति, तू संहारक,तू ममता की खान है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

एक के बाद एक नेता प्रतिपक्ष को धमकियां

देश के प्रधानमंत्री खामोश हैं। पूरी दुनिया का मीडिया चिन्ता व्यक्त कर रहा है कि भारत जिसके प्रधानमंत्री विदेश में आकर बुद्ध का देश कहते हैं, शांति का संदेश देने वाले का देश वहां नेता प्रतिपक्ष को सत्ता पक्ष की तरफ से जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। एक के बाद एक कई नेताओं द्वारा। जिनमें एक केन्द्रीय मंत्री भी है। और जब इसके बारे में एक पत्रकार गृह मंत्री अमित शाह से सवाल पूछना चाहते हैं तो वे सवाल पूछने वाले को डराते हैं। कहते हैं कि ऐसे सवाल मत पूछो। समझते नहीं हो। चुप रहो। और प्रधानमंत्री को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जब इस बारे में पत्र लिखते हैं तो उसका कोई नोटिस नहीं लिया जाता।प्रधानमंत्री मोदी कह रहे हैं कि उनका मजाक उड़ाया गया। इन सौ दिनों से पहले चुनाव प्रचार में कह रहे थे कि उन्हें सौ गालियां दी गईं। इससे पहले पंजाब में पुलिस से कह रहे थे कि अपने मुख्यमंत्री से कह देना कि मैं जिन्दा वापस जा रहा हूं। देश के प्रधानमंत्री सिर्फ खुद के बारे बातें करते हैं। इस बात पर आंख कान बंद कर लेते है कि प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनकी पार्टी के और सहयोगी पार्टी के नेता उनकी सरकार के मंत्री जान से मारने की बात कर रहे हैं।भयानक! देश में पहले कभी ऐसा हुआ कि सत्ता पक्ष के लोग विपक्ष के नेता को जान से मारने की धमकी दे रहे हों, जबान काटने पर इनाम की घोषणा कर रहे हों। आतंकवादी कह रहे हों। यह माब लीचिंग का माहौल बनाना है। लोगों को भड़काने के लिए एक साजिश के तहत दिए जा रहे बयान। इस परिवार के दो लोगों की जो प्रधानमंत्री थे, हत्या की जा चुकी है। और वृहतर कांग्रेस परिवार को देखा जाए तो तीन लोगों की जिनमें महात्मा गांधी शामिल थे।देश के प्रधानमंत्री खामोश हैं। पूरी दुनिया का मीडिया चिन्ता व्यक्त कर रहा है कि भारत जिसके प्रधानमंत्री विदेश में आकर बुद्ध का देश कहते हैं, शांति का संदेश देने वाले का देश वहां नेता प्रतिपक्ष को सत्ता पक्ष की तरफ से जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। एक के बाद एक कई नेताओं द्वारा। जिनमें एक केन्द्रीय मंत्री भी है। और जब इसके बारे में एक पत्रकार गृह मंत्री अमित शाह से सवाल पूछना चाहते हैं तो वे सवाल पूछने वाले को डराते हैं। कहते हैं कि ऐसे सवाल मत पूछो। समझते नहीं हो। चुप रहो।और प्रधानमंत्री को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जब इस बारे में पत्र लिखते हैं तो उसका कोई नोटिस नहीं लिया जाता।आपको पीछे लिए चलते हैं। सरदार पटेल की तरफ। भाजपा बहुत याद करती है उनको। उन्होंने लिखा था महात्मा गांधी का हत्या के पहले कांग्रेस का विरोध करके और वह भी इस कठोरता से कि न अस्तित्व का ख्याल, न सभ्यता व शिष्टता का ध्यान रखा जनता में एक प्रकार की बैचेनी पैदा कर दी थी। सांप्रदायिक विष से भरी स्पीचेज कीं। उस जहर का फल अंत में यही हुआ कि गांधी जी की अमूल्य जान की कुर्बानी देश को सहना पड़ी। जी हां यह लिखा था देश के गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आरएसएस के संघ चालक गुरू गोलवलकर के उस पत्र के जवाब में जिसमें वे गांधी की हत्या के मामले में सफाइयां दे रहे थे। ये सारे पत्र हिस्टोरिक डाक्यूमेंट आफ गुरुजी गर्वमेंन्ट करसपान्डेंस ' में संग्रहित है।तो सरदार पटेल के इस पत्र से साफ होता है कि महात्मा गांधी की हत्या से पहले भी ऐसा भी विषाक्त माहौल बनाया गया था। सरदार पटेल ने 19 सितंबर 1948 मतलब आज से जब आप यह

पढ़ रहे हैं ठीक 76 साल पहले गोलवलकर के पत्र के जवाब में लिखा कि सरकार और जनता की जरा भी सहानुभूति आरएसएस के साथ नहीं रही, बल्कि उनके खिलाफ हो गई। महात्मा गांधी की हत्या पर आरएसएस ने जो हर्ष प्रकट किया तथा मिठाई बांटी उससे यह विरोध और बढ़ गया। यह सारा इतिहास याद दिलाया जाना इसलिए जरूरी है कि सिर्फ महात्मा गांधी की हत्या से पहले ही नहीं इन्दिरा गांधी की हत्या के पहले भी ऐसा ही माहौल बनाया गया था। अभी पंजाब के मुख्यमंत्री रहे चरणजीत सिंह चन्नी और वहां विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने दिल्ली में की एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि स्वर्ण मंदिर में सेना भेजने के लिए भी आरएसएस ने दबाव बनाया था।उन्होंने आडवानी का नाम लेकर कहा कि उन्होंने यह स्वीकार किया है। और खतरनाक बात यह है कि एक तरफ सेना भेजने का दबाव बनाया और फिर इसके लिए प्रधानमंत्री इन्दिरा को शत्रु की तरह आरोपित करके उनके खिलाफ माहौल बनाया गया। इन्दिरा की हत्या भी उनके खिलाफ बनाए विषाक्त माहौल का परिणाम थी।राजीव गांधी की एसपीजी सुरक्षा वापस ले ली ली गई थी। परिणाम उनकी हत्या। वीपी सिंह सरकार ने जिसका बीजेपी समर्थन कर रही थी 1989 में राजीव की सुरक्षा से खिलवाड़ किया।अब ऐसा ही राहुल गांधी की सुरक्षा के साथ हो रहा है। उनकी एसपीजी की सुरक्षा भी वापस ले ली गई। केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, एक भाजपा शासित राज्य उत्तर प्रदेश के मंत्री रघुराज सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी के विधायक संजय गायकवाड़ और भाजपा नेता तरविन्दर सिंह मारवाह उन्हें खुले आम जबान काटने पर इनाम, जान से मारने की धमकी और आतंकवादी तक कह रहे हैं। और सरकार की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं। कांग्रेस ने दिल्ली सहित कई राज्यों में लिखित तहरीर दी। मगर कोई एक्शन नहीं।क्या है यह? इतने गंभीर मामले में भी प्रधानमंत्री मौन! मनमोहन सिंह को कहते थे। वे तो मौन नहीं रहे। लोकसभा में जब योगी आदित्यनाथ ने रोते हुए अपनी जान को खतरा बताया था तो केवल उस समय के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ही नहीं, आसन पर बैठे लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी सबने उन्हें सुरक्षा का विश्वास दिलाया था।ऐसी होती हैं सरकारें। यह नहीं कि उनके मंत्री नेता धमकियां दें और वे आपराधिक खामोशी ओढ़े रहें। जी हां यह आपराधिक खामोशी है। अपराध की खबर मिलने, अपराध किए जाने की सुचना के बाद भी कुछ नहीं करना अपराध में शामिल होना माना जाता है। और यह सिर्फ फौजदारी कानून के अपराध की बात नहीं है। बल्कि एक असफल स्टेट की निशानी है। असफल स्टेट अभी तक हम पाकिस्तान को कहते रहे। एक असफल राज्य जिसका अपने देश पर कोई नियंत्रण नहीं है।मंगलवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को दूसरे प्रसंग में कहा। उसने कहा कि यह बुलडोजर संविधान पर हमला हैं। और उसका महिमामंडन उससे भी ज्यादा खतरनाक बात। कानून व्यवस्था को ध्वस्त कर देना। उसने इसके विध्वंस के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी। बुलडोजर निर्माण कार्यों में आने के लिए बना। मगर उसे विध्वंस और उसे भी शान का प्रतीक बना दिया। रावण के अट्टहास की तरह। खैर वह एक अलग विषय है। मगर मूल एक ही है संविधान, कानून व्यवस्था, नियम, लोकतंत्र किसी की परवाह किए बिना अपनी शक्ति का प्रदर्शन। व्यक्ति की शक्ति। और यही असफल स्टेट की निशानी है। असफल राज्य और गर्वोन्मत शासक! मैं जो चाहे करूं। मेरी मर्जी! मगर दुनिया बहुत बड़ी है। अभी अमेरिका जा रहे हैं। वहां किसी ने पूछ लिया तो जवाब देते नहीं बनेगा। यहां के मीडिया से कहा जाएगा कि पूछने वाले के खिलाफ भी ऐसा ही विषाक्त माहौल बनाओ। किल द मैसेंजर! पत्रवाहक को ही मार डालो। सूचना देने वाले को खत्म कर दो। पूछने वाले को ही। समस्या पर मत जाओ! समस्या बताने वाले को आरोपित करो और अंत में यह बताते हुए खत्म करते हैं कि भारत सफल राष्ट्र ऐसे बना कि यहां के गृह मंत्री सरदार पटेल भूत और वर्तमान को समझ भी रहे थे और भविष्य के लिए चेतावनी भी दे रहे थे। अब जो पत्र हम कोट कर रहे हैं वह पटेल ने श्यामाप्रसाद मुखर्जी के पत्र के जवाब में लिखा था। इसमें साफ कहा गया है कि आरएसएस की गतिविधियों से सरकार और राज्य के अस्तित्व को ही खतरा हो गया था। इसी खतरे की तरफ राहुल लगातार ध्यान दिलाते रहते हैं। और इसलिए वह निशाने पर हैं। बीस के करीब मुकदमे अलग अलग जगहों पर दायर कर रखे हैं। मगर उससे नहीं डरे तो अब सीधे जान से मारने की धमकी।

-शकील अख्तर-

भोले से मांग लिया

घटती-घटना

कार्तिकेय त्रिपाठी राम

इन्दौर (म.प्र.)

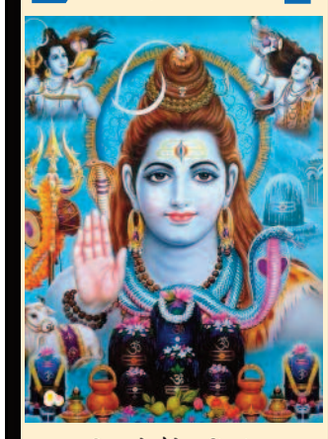

दुनिया से मैंने नहीं मांगा,
बस भोले से मांग लिया,
मिला मुझे भोले से इतना,
दुनिया को फिर बांट दिया।
दुनिया से मैंने ....
मैंने जब-जब याद किया,
भोले ने मेरा साथ दिया,
नहीं किया कोई सौदा मैंने,
भोले पर विश्वास किया।
दुनिया से मैंने ....
भोले के संग जीवन मैंने,
कितना कुछ है काट लिया,
मिला समय जितना भी मुझको,
भोले को ही याद किया।
दुनिया से मैंने ....
भोले प्रेम के रस में डूबा,
दुनिया मुझको कहे अजूबा,
मैं क्यूं किसकी सुनने जाऊं,
बस भोले धुन नाचूं गाऊं।
दुनिया से मैंने ...
तन-मन-धन सब तेरा भोले,
और नहीं कुछ मेरा भोले,
जीवन की हर श्वांस डगर में,
तू मेरा मैं तेरा भोले।
दुनिया से मैंने...
आओ भोले रंग में हम सब,
अंतस तक डूबें उतराएं,
भोले-भोले कह जीवन सारा,
यूं ही हम महकाते जाएं।
दुनिया से मैंने ...

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का विस्तृत क्षितिज

भारत दुनिया की सबसे बड़ी एवं सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसका खाद्य प्रसंस्करण उद्योग आर्थिक विकास को गति देने एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत सरकार ने विभिन्न व्यावहारिक पहलों के साथ-साथ सुधारों के एक नए युग की शुरुआत की है, जिसने भारत को तेजी से विकास के पथ पर ला खड़ा किया है। राष्ट्र न केवल अभूतपूर्व प्रगति एवं विकास का साक्षी बना है, बल्कि एक जीवंत एवं विविधतापूर्ण अर्थव्यवस्था द्वारा संचालित एक वैश्विक शक्ति के रूप में भी उभरा है।भारत सरकार की प्रगतिशील नीतिगत पहलों एवं उपायों के कारण, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है और मैन्यूफैक्चरिंग के सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में 7.66 प्रतिशत और वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कृषि के जीवीए में 8.45 प्रतिशत का योगदान दिया है।समृद्ध एवं विविधतापूर्ण कृषिगत संसाधनों से लैस भारत वैश्विक स्तर पर खाद्य उत्पादन के मामले में एक महत्वपूर्ण शक्ति है। दूध, पोषक अनाज, खाद्यान्न, फल, सब्जियां, चाय और मछली जैसी कई खाद्य पदार्थों का सबसे बड़ा उत्पादक होने के नाते, इसने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत का कृषि-खाद्य निर्यात बढ़कर 46.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो इस क्षेत्र की तीव्र प्रगति और इसके बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। कुल कृषि-खाद्य निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 2014-15 में 4.90 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 10.88 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। नवाचार, निवेश और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के सही मिश्रण के साथ, यह क्षेत्र अपनी क्षमता का संपूर्ण दोहन करने और देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है।भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अपार एवं विविधतापूर्ण अवसर उपलब्ध हैं और इसका प्रत्येक उप-क्षेत्र विकास की अनूठी संभावनाएं प्रदान करता है। प्रौद्योगिकी के आगमन ने इस उद्योग में क्रांति ला दी है, जिससे खाद्य सुरक्षा, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। ई-कॉमर्स में आए उछाल और उपभोग के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) व सुविधाजनक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग ने इस क्षेत्र के विकास के नए रास्ते खोल दिए हैं, जिससे यह निवेशकों और उद्यमियों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गया है।खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के समग्र विकास को सहायता प्रदान करने हेतु, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने ऐसी कई योजनाएं और पहल लागू की हैं जो बदलाव लाने और एक मजबूत इकोसिस्टम को बढ़ावा देने में अहम रही हैं। यह इकोसिस्टम सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं बड़े उद्यमों में नवाचार,निवेश और समावेशिता को प्रोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना (पीएमकेएसवाई) नाम की प्रमुख योजना ने खेतों से रिटेल आउटलेट तक कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इन प्रयासों से न केवल फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सका है, बल्कि निर्यात क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएस) भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रमुख प्रयास है। मंत्रालय देश में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की स्थापना/उन्नयन के लिए वित्तीय, तकनीकी और व्यावसायिक सहायता प्रदान करने हेतु केन्द्र प्रायोजित पीएम सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की औपचारिकीकरण योजना (पीएमएफएमई) भी लागू कर रहा है। वर्ल्ड फूड इंडिया' वैश्विक स्तर पर फूड बास्केट' के रूप में भारतखाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा परिकल्पित वर्ल्ड फूड इंडिया' वैश्विक स्तर पर एक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में उभरने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह वार्षिक उत्सव एक ऐसे वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है, जो खाद्य मूल्य श्रृंखला के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हितधारकों को एक साथ लाता है, पारस्परिक सहयोग को बढ़ावा देता है, ज्ञान साझा करने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करता है और भारत को एक वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण केन्द्र बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रेरित करता है। यह बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम 19 से 22 सितंबर 2024 के दौरान नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। पिछले संस्करणों की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष के आयोजन का लक्ष्य अपेक्षाकृत अधिक बड़ा और प्रभावशाली कार्यक्रम का संचालन करना है जो नेटवर्किंग और सहयोग के अद्वितीय अवसर प्रदान करे। मंत्रालय वैश्विक निवेशकों, व्यापारिक जगत की अग्रणी हस्तियों, खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों, निर्यातकों, आयातकों, नवोन्मेषकों तथा सरकारी प्रतिनिधियों को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में शामिल होने और भारत के विशाल खाद्य बाजार व आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया है।वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में पेट फूड, एचओआरईसीए (होटल, रेस्तरां और कैटरिंग) और फसल की कटाई के बाद (पोस्ट हार्वेस्ट) उपयोग में आने वाली मशीनरी सहित कई नए क्षेत्रों को समर्पित विशेष खंड शामिल होंगे। ये नए समावेश खाद्य उद्योग के उभरते परिदृश्य को दर्शायेंगे और इनका उद्देश्य विविध किस्म के निवेश व नवाचारों को आकर्षित करना है। यह आयोजन उद्योग जगत के हितधारकों के बीच ज्ञान साझा करने और सहयोग की सुविधा की दृष्टि से डिजाइन किए गए विभिन्न विषयगत सत्रों की एक श्रृंखला का आयोजन करेगा। इसके मुख्य विषयों में टिकाऊ पैकेजिंग प्रौद्योगिकियां; अपशिष्ट को न्यूनतम करना, मूल्य को अधिकतम करना; खाद्य-पदार्थ एवं व्यापार के मामले में क्रांतिकारी बदलाव लाना शामिल होंगे। ये सत्र विशेषज्ञों को चुनौतियों का समाधान करने, सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने और सतत विकास के लिए उपयुक्त रणनीतियों का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान करेंगे। इसी के समानांतर, रिवर्स बायर सेलर मीट' अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों एवं भारतीय विक्रेताओं के बीच सीधे बातचीत को संभव बनाएगी, बाजार तक पहुंच सुलभ करेगी और नई साझेदारियों को बढ़ावा देगी।उपरोक्त बातों के अलावा, भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा आयोजित वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन का आयोजन वर्ल्ड फूड इंडिया के साथ किया जायेगा। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता और नवाचार से संबंधित महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान हेतु वैश्विक खाद्य नियामकों के बीच निरंतर बातचीत एवं सहयोग को प्रोत्साहित करना है।खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय एक ऐसे जीवंत व सुदृढ़ खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो न केवल भारत की आर्थिक समृद्धि में योगदान दे, बल्कि देश के लोगों का कल्याण भी सुनिश्चित करे। साथ मिलकर, हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर सकते हैं, जहां विकसित भारत की आकांक्षाओं और एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के सपने को साकार करते हुए भारत खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित होगा।

-श्रीमती अनीता प्रवीण-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा .....अम्बिकापुर न्यायालय..... के अधीन होगा।

स्वच्छता रैंकिंग में चौथे स्थान से फिसलकर 27 वें पर आ गए, निगम प्रशासन ने फिर भी नहीं लिया सबक

सीवरेज नेटवर्क न होना और खस्ताहाल सडक़ें इस बार भी स्वच्छता रैंकिंग पर लगा सकती हैं बट्टा

» चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण का काम भी नहीं हो रहा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पिछले वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण में अंबिकापुर नगर निगम देश में चौथे स्थान से गिरकर 27 वें स्थान पर आ गया था। इससे स्टार रेटिंग 5 स्टार से 3 स्टार पर पहुंच गया था। इसकी मुख्य वजह सीवरेज नेटवर्क, शहर की खस्ताहाल सडक़ों के साथ चौक-चौराहों की सौंदर्यीकरण पर काम न होने की बात सामने आई थी। इसी वजह से नंबर कटे थे। इसके बावजूद निगम प्रशासन ने सबक नहीं लिया और स्थिति जस की तस है। इस बार भी नगर निगम द्वारा समस्याओं पर फोकस नहीं किया जा रहा है।

निगम क्षेत्र में सीवरेज सिस्टम का कोई अता-पता नहीं है। वहीं सडक़ों की भी स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। हालांकि कुछ सडक़ों की मरम्मत कराई गई है। वहीं सौंदर्यीकरण की बात करें तो इस दिशा में भी नगर निगम का कोई बेहतर काम नहीं दिख रहा है। इधर स्वच्छता स्वेंक्षण संभवत: नवंबर में हो सकता है। इससे पूर्व की तैयारियां चल रहीं हैं।

हालांकि पिछले वर्ष जिस वजह से नंबर कटे थे उस पर अभी भी नगर निगम

का ध्यान नहीं है। शहर में सीवरेज नेटवर्क न होने, खस्ताहाल सडक़ें व सौंदर्यीकरण पर कोई काम नहीं किए जाने से वर्ष 2023 के स्वच्छता सर्वेक्षण में अंबिकापुर देश में चौथे स्थान से 27वें स्थान पर पहुंच गया है। सीवरेज नेटवर्क को लेकर अंबिकापुर नगर निगम के पास अभी भी कोई योजना नहीं है।

शहर की अधिकांश सडक़ें जर्जर

शहर की सडक़ों की बात करें तो अधिकांश अभी भी जर्जर हैं। चौक-चौराहों के सौंदर्यीकरण को लेकर भी कोई बेहतर कार्य नहीं किया गया है। नगर निगम पूर्व की तरह ही केवल जीरो वेस्ट मैनेजमेंट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सहित अन्य पर फोकस किए हुए है। जबकि इन सारे कामों को लेकर पिछले वर्ष स्वच्छता रेटिंग में कोई अंतर नहीं पड़ा था।

निगम क्षेत्र में आवासीय एवं व्यवसायिक क्षेत्र में कचरा मुक्त करने हेतु 150 मैनुअल, 30 ई रिक्शा, 10 ऑटो टिपर लगाए गए हैं, जिसके माध्यम से 450 स्वच्छता दीदियां प्रतिदिन आवासीय क्षेत्र में दिन में एक बार व व्यवसायिक क्षेत्र में दिन में 2 से 3 बार कचरा संग्रहण कर रहीं हैं।

नगर निगम में इस तरह संचालित हो रही सफाई व्यवस्था

1. प्रतिदिन 20 एसएलआरएम केंद्रों में 25 टन गीला कचरा संग्रहित होता है, जिसका घुटरापारा, डीसी रोड, न्यू बस स्टैंड एसएलआरएम सेंटर में कंपोस्ट बनाने में उपयोग किया जा रहा है, निर्मित खाद का विक्रय भी नियमित रूप से हो रहा है।
2. सूखे कचरे को अलग-अलग श्रेणी में पृथकीकरण कर रीसाइक्लिंग हेतु अधिकृत विक्रेता को विक्रय किया जा रहा है। इससे दीदियों को प्रतिमाह लगभग 12 लाख की आय हो रही है।
3. 50 माइक्रोन से ऊपर के प्लास्टिक के उपयोग पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल और निगम की संयुक्त टीम द्वारा समय-समय पर कार्यवाही कर जब्ती और जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है।
4. नागरिक शिकायत एवं फीडबैक हेतु टोल फ्री नंबर 1100 सेवा चल रही है जिसके माध्यम से प्राप्त शिकायत का त्वरित निराकरण किया जा रहा है।
5. नगर में झाड़ू एवं नाली सफाई से निकलने वाले कचरे के निपटान हेतु 70 एमएम, 30, एमएम 4 एमएम का ट्रॉमेल स्क्रीन मशीन स्थापित किया गया है, जिससे कचरे का निष्पादन किया जाता है।
6. निगम क्षेत्र में 20 एसएलआरएम केन्द्र हैं, जो व्यवस्थित रूप से संचालित हैं, इसके कारण प्रतिवर्ष दीदियों की आय में वृद्धि हुई है। महज 2000 प्रतिमाह मानदेय से कम की शुरुआत दीदियों ने की थी जो अब बढ़ कर 10200 प्रतिमाह हो गया है।

32 से 35 लाख रुपए हर महीने खर्च

अंबिकापुर नगर निगम के सफाई व्यवस्था पर हर महीने 32 से 35 लाख रुपए खर्च होते हैं। 16 लाख रुपए यूजर चार्ज से व 12 लाख रुपए कचरे से आय होती है। इस तरह से निगम को 26 से 28 लाख रुपए की आय होती है और 32 से 35 लाख रुपए खर्च करने पड़ते हैं।

एक ही डिब्बे में डाल रहे गीला व सूखा कचरा

हर घर से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग लिया जा रहा है, इस कार्य हेतु निगम आयुक्त द्वारा वार्ड प्रभारियों का दल बनाया गया है, जो समय-समय पर वार्ड में भ्रमण कर उन लोगों को समझाइश या जुर्माना की कार्रवाई करते हैं जो मिक्स कचरा देते हैं या कचरा बाहर फेंकते हैं। लेकिन अधिकांश घरों में अभी भी लोग जागरुक नहीं हो रहे हैं। गीला व सूख कचरा एक ही डिब्बे में डाल रहे हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी जारी

अंबिकापुर नगर निगम के कमिश्नर प्रकाश राजपूत का कहना है कि स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी चल रही है। लोगों को जागरुक किया जा रहा है। सीवरेज नेटवर्क अभी भी नहीं है, हालांकि स्वीकृत हुआ है। पिछले वर्ष जर्जर सडक़ों को लेकर अधिक नंबर कटे थे। इस वर्ष स्थिति सुधरेगी।

सरगुजा में दम तोड़ रही स्कूल जतन योजना,भ्रष्टाचार का लग रहा आरोप,बीजेपी और कांग्रेस में छिड़ी जंग

सरगुजा में स्कूल जतन योजना में बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है...तत्कालीन भूपेश बघेल सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है... हालांकि कांग्रेस इस मामले में बीजेपी पर दोष मढ़ रही है...

स्कूल जतन योजना

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में पूर्व की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग रहे हैं। 2 हजार करोड़ रुपये की मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना यहां दम तोड़ती हुई दिख रही है। स्कूलों के जीर्णोद्धार और अतिरिक्त कक्ष निर्माण में लीपापोती की गई है। आरटीआई कार्यकर्ता ने प्राप्त दस्तावेज के आधार पर यह दावा किया है कि जब हमने ग्राउंड में जाकर देखा तो वास्तव में स्कूल जतन योजना महज खानापूर्ती दिख रही है।

शिक्षा विभाग भी नहीं है संतुष्ट

वहीं, भाजपा विधायक इसे कांग्रेस सरकार का भ्रष्टाचार बता रहें हैं, तो कांग्रेस योजना को फेल करने का आरोप भाजपा की सरकार पर लगा रही है. शिक्षा विभाग खुद काम से संतुष्ट नहीं है. निर्माण एजेंसी आरईएस के अधिकारी काम पूरा करने या कार्रवाई की बात कह रहे हैं

सरगुजा में दम तोड़ रही स्कूल जतन योजना

30 हजार स्कूलों के लिए जारी की गई राशि दरअसल, छत्तीसगढ़ में तत्कालीन भूपेश बघेल की सरकार ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत प्रदेश के 30 हजार स्कूलों में मरम्मत और अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए करीब 2 हजार करोड़ की राशि जारी की थी। यह राशि शिक्षा विभाग को मिली. चजिले में जिला शिक्षा अधिकारियों ने राशी जिला पंचायत को दी। जिला पंचायत ने निर्माण एजेंसी आरईएस को बनाया, जबकि शहरी स्कूलों के लिए नगर निगम को एजेंसी बनाया गया. एजेंसियों ने टेंडर निकाले और ठेकेदारों को काम मिला, लेकिन इन ठेकेदारों ने काम नहीं किया। स्कूलों में लीपापोती की गई. अन्य मदों से कराए गए कार्यों को दिखाकर राशि भी ट्रांसफर करा ली गई।

जानकारी मांगने के बाद हुआ खुलासा इस मामले में आरटीआई कार्यकर्ता दिनेश सोनी ने जब सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी तो भ्रष्टाचार सामने आने लगा। उन्होंने कहा कि विभागों से प्राप्त जानकारी में काम पूरा हो चुका हैं। कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र भी जमा हो गया है. राशि भी जारी कर दी गई है,जबकि स्कूल के प्रधान पाठकों ने जानकारी दी है कि वो कार्य से संतुष्ट नही हैं. ठेकेदार ने लीपापोती की है। पूरे राज्य में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना में अरबों का भ्रष्टाचार किया गया है।

मुझे ये जानकारी मिली कि सभी विद्यालयों में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत विद्यालय के मरम्मत के लिए कुछ राशि स्वीकृत हुई है। हमारे स्कूल को 14 लाख रुपए स्वीकृत हुए थे. यहां कोई काम नहीं हुआ है.-आशा कुजूर, प्रचार्य, हायर सेकेंडरी स्कूल,भगवानपुर स्कूल जतन योजना भ्रस्टाचार करने की योजना थी, जिसमें स्कूलों का नहीं बल्कि अधिकारियों और कांग्रेसियों का उन्नयन हो गया. मामले की जांच कराई जा रही है. दोषियों पर कार्रवाई होगी.-प्रबोध मिंज, भाजपा विधायक

ये योजना कांग्रेस शासनकाल में शुरू जरूर हुई, मगर भुगतान भाजपा शासनकाल में हुआ. ऐसे में इस योजना में भाजपा के लोगों ने जमकर गड़बड़ी की है। भुगतान रोक कर वो सोचते हैं कि इससे कांग्रेस सकते में आएगी, लेकिन ऐसा नही है-राकेश गुप्ता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्यादातर काम पूरे हो गए है और जो अधूरे है, उन्हें दिसम्बर तक पूरा करने का समय मांगा गया है कि जिन कामों में शिकायत मिल रही है, उन्हें वापस कराने के लिए ठेकेदारों को नोटिस दिया गया है। समय पर सुधार नहीं हुआ तो इंजीनियर और ठेकेदार पर कार्रवाई होगी-एन्टोनी तिर्की, ईई, आरईएस

इस योजना के तहत सरगुजा जिले के 1386 स्कूलों के लिए 88 करोड़ 30 लाख रुपयै आबंटित किये गए, जिसके तहत नगर निगम, हाउसिंग बोर्ड और ग्रामीण यांत्रिकी विभाग को निर्माण एजेंसी बनाया गया था। सबसे ज्यादा काम ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को आबंटित किया गया था। इसके लिए करीब 55 करोड़ के काम इस विभाग को दिए गए. करीब 200 से ज्यादा स्कूल ऐसे हैं, जहां निर्माण काम को लेकर शिकायतें आई है। इन कामों की जांच स्वत्रंत एजेंसियों से कराई जा रही है-
अशोक सिन्हा,
जिला शिक्षा अधिकारी, सरगुजा

राशी खर्च हुआ लेकिन स्कूलों की हालत जस की तस

छत्तीसगढ़ में कुल 48673 शासकीय स्कूल है. इनमें 30765 प्राइमरी स्कूल, 13225 मिडिल स्कूल, 1904 हाई स्कूल और 2779 हायर सेकेंडरी स्कूल संचालित हैं। इनमें 30 हजार स्कूलों में मरम्मत और अतिरिक्त कक्ष की आवश्यकता शिक्षा विभाग ने बताई थी, जिसके बाद शासन ने 2 हजार करोड़ की राशि जारी की थी, लेकिन अब ये मामला शिक्षा विभाग के लिए मुसीबत बन चुका है, क्योंकि एक बड़ी राशी खर्च भी हो गई और स्कूलों की हालत जस की तस है।

शासकीय उचित मूल्य दुकान में राशन की गड़बड़ी, ग्रामीणों में आक्रोश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शासकीय उचित मूल्य दुकान में राशन की गड़बड़ी का मामला सामने आया है। गांव में आधे से अधिक हितग्रहीयो को राशन नहीं मिल रहा है जिससे हितग्राहियों को भूखे मरने की नौबत आ गई है मामला सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत सोनतराई का है दरअसल ग्राम पंचायत सोनतराई के उचित मूल्य दुकान से 112 किवंटल 50 किलो चावल ,109 किलो चना और 22 किलो शक्कर गायब है। जिससे ग्राम पंचायत के आधे से अधिक हितग्राहियों को राशन नहीं मिल पा रहा। जिसकी वजह से हितग्राही राशन दुकान के चक्कर लगाने को मजबूर हो रहे है। राशन नहीं मिलने से ग्रामीण हितग्राहियों के साथ जनप्रतिनिधि भी आक्रोशित हैं। हितग्राहियों का कहना है पीडीएस संचालक द्वारा राशन सही समय पर नहीं दिया जाता जिसके कारण अधिक कीमत पर दुकान से खरीदकर राशन लेना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों के मुताबिक गांव में कई भूमिहीन परिवार रहते है राशन नहीं मिलने से भूखे रहने की नौबत आ गई है..वही मामले में पीडीएस दुकान संचालक ने पिछले संचालक द्वारा गड़बड़ी की जाने की बात कही है जिसकी वजह से कुल 485 कार्ड धारी में से 320 कार्ड धारीयो को राशन देने में परेशानी हो रहा है। बहरहाल मामले की जानकारी अधिकारियों के होते हुए भी ग्रामीणों की समस्या का कोई ठोस समाधान करने के बजाय खानापूर्ति करने में लगे हैं जिससे गांव के आधे से अधिक हितग्राहियों को भूखे मरने की नौबत आ गई है।

सदर सेवा समिति द्वारा स्थापित गणपति पंडाल को मिला प्रथम पुरस्कार

» बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति का पुरस्कार वितरण हर्षोल्लास से संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी बाल गंगाधर गणपति स्थापना समिति के द्वारा शहर के विभिन्न गणपति पंडालों व सांस्कृतिक कार्यक्रम को गणपति उत्सव प्रोत्साहन पुरस्कार वितरण हर्षोल्लास से संपन्न हुआ ।

स्थानीय सर्किट हाउस के सभागार में आयोजित बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति का पुरस्कार वितरण शंकर घाट शिवमंदिर के पुजारी पंडित अवधेश पांडेय के मुख्य आतिथ्य व समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया, निलेश सिंह, हरमींदर सिंह टिन्नी तथा समिति के अध्यक्ष गोल्डी बिहाड़े की उपस्थिति में भगवान गणपति के जयघोष के साथ किया गया ।

समिति द्वारा तय चयन मापदंडों के आधार पर नगर में स्थापित गणेश पंडालों को सीनियर तथा जूनियर ग्रुप में बाँट कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी के पुरस्कार रखे गये थे, जिनमे सेमिनार ग्रुप से सदर सेवा समिति सदर रोड को प्रथम पुरस्कार, जागृति नवयुवक मंडल जय स्तंभ को द्वितीय पुरस्कार तथा गणेश पूजा सेवा समिति चाम्बोथी तालाब को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। जूनियर ग्रुप में प्रथम पुरस्कार माँ महामाया क्लब महामाया रोड को , द्वितीय पुरस्कार गुरुद्वारा वार्ड सेवा समिति गुरुद्वारा गली को तथा तृतीय पुरस्कार सिंह क्लब युवा समिति सरदार गली को मिला।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में ग्रुप डांस के लिए प्रथम पुरस्कार मोटरल ग्रुप भिलाई को, द्वितीय पुरस्कार विशु ग्रुप अम्बिकापुर को तथा तृतीय पुरस्कार जीएमजी गर्ल्स ग्रुप कोलकाता को मिला।

इसी क्रम में सोलो डांस के लिए योगी हेमू दिल्ली को प्रथम पुरस्कार तथा मीरा यादव अंबिकापुर को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय पत्रकारों,समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों तथा उपस्थित गणमान्यों को स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित अवधेश महाराज ने पुरस्कार प्राप्त करने वालों को बधाई देते हुए कहा कि शहर के अंदर गणपति स्थापना समिति द्वारा एक

सुंदर परम्परा की शुरुआत की गई है जिसकी नींव आजादी से पूर्व स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने रखी थी , सनातन परंपरा को अगली पीढ़ी तक ले जाने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए।

इस अवसर पर समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि समिति द्वारा पुरस्कार हेतु चयनित गणेश पंडाल समितियों को बधाई देते हुये कहा कि यह पुरस्कार केवल प्रोत्साहन के लिए है, सभी गणेश पंडाल समितियों ने भक्ति सेवा भाव और आस्था के साथ गणपति देवता की स्थापना की है , समिति सभी को सर्वश्रेष्ठ मानती है। उन्होंने कहा कि समिति ने पुरस्कार हेतु कुछ मापदंड तय किए थे जिनमे स्वच्छता अनुशासन तथा ईकोफ्रेंडली वातावरण प्रमुख थे।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ये गणपति भगवान की ही कृपा है। समिति का उद्देश्य महामाया पहाड़ में विराजे स्वयंभू गणेश तथा गणपति धाम के विकास के लिए समर्पित भाव से काम करते हुए गणपति धाम को आस्था के केंद्र के रूप में विकसित करना है।

कार्यक्रम को समिति के संरक्षक निलेश सिंह, हरमींदर सिंह टिन्नी, गोल्डी बिहाड़े एवं सुभाष राय ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र सिंह टूटेजा तथा अंसुल श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया। आभार प्रदर्शन अभिषेक श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर पार्षद आलोक दुबे, प्रमोद चौधरी, राकेश तिवारी, मंजूषा भगत,संतोष दास,रुपेश दुबे, जन्मजय मिश्रा, डी के सोनी, शैलेश सिंह, तजिंदर बग्गा, इंदर भगत, अनीश सिंह, शरद सिन्हा, अजय सिंह, नीरज पांडेय, प्रियंका चौबे, नीलम राजवाड़े, सीमा कश्यप, प्रतिमा साहू, सरस्वती यादव, रेनू भारती, शालिनी सिंह, पूनम सिंह, नेहा सोनवानी, सरिता जायसवाल, पूजा सोनी, अमोघ कश्यप, धीरज सिंह, गोलू यादव, विवेक सिंह, नितिन गुप्ता, राजेश तिवारी, दिवस दुबे, अभिषेक श्रीवास्तव, संजय सिंह, सुमित मिश्रा, संजय त्रिपाठी, रवि जयसवाल, निशांत सिंह, आयुष अग्रवाल, अंशुमल गर्ग, आशीष अग्रवाल, शुशील गोयल, देव गर्ग, रविकांत उरांव, रवजोत सिंह, प्रिया सिंह, पूनम गुप्ता, बृजेश शर्मा, ऋषिका मिश्रा, क्षितिज गुप्ता, मुशर्रत अली, अंजनी दुबे, दितेश राय, सक्षम गुप्ता, गोविंद कुशवाहा, विशाल शर्मा बिक्की, रजत पांडे, वीर सोनी, दिव्यांशु केशरी, दीपक यादव, अनुराग शुक्ला, श्रीधर केशरी, सिद्धार्थ मिश्रा, रोशन कनोजिया, सर्वेश तिवारी, चंदन शुक्ला, दीपक सोनी, जितेंद्र सोनी, अतीश सिंह, संदीप यादव, तिलोचन राजवाड़े, भव रंजन, हर्ष जयसवाल, रोहित कुशवाहा , धर्मेंद्र यादव, दिनेश राजवाड़े, राहुल जायसवाल, राजेश अग्रवाल, विजय सोनी, राजेश सिंह, आरके शुक्ला, काशी केशरी, शैलेंद्र शर्मा, रोचक गुप्ता, मनोज प्रसाद गुप्ता, आलोक सिंह, सुधाकर सिंह, सतीश बारी, शुभम जयसवाल, दीपक गोस्वामी, निक्कू सिंह, गौरव राठौर, आदित्य गुप्ता, सुरेंद्र साहू, अभिनव पांडे, आयुष पांडे, राजेश सोनी, रवि सोनी, मनीष सिंह, सागर बेहरा तथा शैलेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या गणमान्य उपस्थित रहे।

CMYK

कैसे अमेरिका पहुंचीं 297 कलाकृतियां ? जिन्हें बाइडन ने भारत को किया वापस

न्यूयॉर्क,22 सितम्बर 2024। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के पहले दिन महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आदान-प्रदान देखने को मिला। अमेरिका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान 297 प्राचीन वस्तुएं भारत को सौंपी हैं जिन्हें तस्करी कर देश से बाहर ले जाया गया था। 2014 से अब तक पिछले दस वर्षों में भारत को कुल 640 प्राचीन वस्तुएं वापस मिली हैं, जिसमें से अकेले अमेरिका ने 578 वस्तुएं लौटाई हैं।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और अमेरिकी विदेश विभाग के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक मामलों के ब्यूरो ने दोनों देशों के बीच घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों को बनाए रखने तथा बेहतर सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जुलाई, 2024 में एक सांस्कृतिक संपदा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

इसका लक्ष्य सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रपति बाइडन और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा व्यक्त की गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करना है। इस अवसर पर अमेरिकी पक्ष ने भारत से चोरी की गयी अथवा तस्करी के माध्यम से ले जायी गयी 297 प्राचीन वस्तुओं की वापसी में सहायता की है। इन्हें शीघ्र ही भारत को वापस लौटा दिया जाएगा।

डेलावेयर में द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रपति बाइडन ने प्रतीकात्मक रूप से कुछ चुनिंदा वस्तुएं सौंपीं। प्रधानमंत्री मोदी ने इन कलाकृतियों की वापसी में सहयोग के लिए राष्ट्रपति बाइडन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, %सांस्कृतिक जुड़ाव को गहरा करना और सांस्कृतिक संपत्तियों की अवैध तस्करी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करना मकसद है। मैं राष्ट्रपति बाइडन और अमेरिकी सरकार का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने 297 अमूल्य धरोहर को भारत को वापस लौटाया है।

एक शख्स की हत्या के मामले में पत्नी साले सहित 6 लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कुसमी,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत घुघरीकला गांव से एक युवक की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा हत्या के मामले युवक की पत्नी साले और एक नाबालिक समेत 6 लोगो को किया गया गिरफ्तार ,आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट कर गला दबाकर की थी हत्या,फिर हत्या को छुपाने के लिए आत्महत्या में बदलने के लिए कुएं में शव को फेक दिया था,सवाल यह उठता है कि आखिर कैसे हुई थी हत्या ,दरसल इस घटना संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक दिनांक 17/09 /2024 को प्रार्थी सुग्रीव राम पैकरा ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसके बेटे राजेश पैकरा दिनांक 14/9/2024 को अपनी पत्नी और बच्चों के साथ गाँव में ही करमा नाचने गया था। उस दौरान शौच के लिए ढोढ़ी पास गया था जहां पर उसका पैर फिसल जाने की वजह से वह ढोढ़ी में गिर गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई है, पुलिस ने रिपोर्ट पर थाना कुसमी में मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई में लिया ,वही

पंचनामा कार्रवाई एवं पीएम में मृतक की हत्या होने की जानकारी पुलिस को लगी, फिर विवेचना के दौरान श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय बलरामपुर के निर्देशानुसार श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय बलरामपुर श्री शैलेन्द्र पाण्डेय एवं पुलिस अनुभागीय अधिकारी कुसमी श्री एमानुएल लकड़ा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुसमी जितेंद्र जायसवाल के द्वारा आरोपीगण मृतक की पत्नी सुनती पैकरा, नवाँडीह के रहने वाले मृतक के साले सुदेश पैकरा, सुधन पैकरा, विधायक पैकरा एवं नवाडीह के ही उसके दो दोस्त छोटू सोनवानी एवं एक नाबालिग लड़के पता तलाश कर उनके खिलाफ थाना कुसमी में अपराध क्रमांक 108/24 धारा 190,191(2)(3),103(1),238 भारतीय न्याय संहिता कायम कर उन्हें हिरासत में लेकर पुछताछ किया गया, आरोपीयो ने बताया कि करमा के दूसरे दिन दिनांक 15/09/24 को मृतक के घर में सभी मिलकर हंडिया पीये उसके बाद शाम में शराब खोजने के लिए दूसरी जगह गए जहां पर मृतक द्वारा अपने साले एवं पत्नी को गाली गलौच करने पर उसके साले एवं पत्नी आवेश में आकर अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर मृतक के साथ हाथ मुक्के एवं डंडे से मारपीट करते उसे कुएं के पास लेकर गए जहां मृतक द्वारा चिल्लाने से उसके गले को उनके द्वारा दबाकर उसकी हत्या कर दी गई एवं शव को छुपाने के उद्देश्य से सभी ने मिल कर उसे कुएं में फेंक दिए,पुलिस ने आरोपियों द्वारा अपना जुर्म कबूल करने एवं उनके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाए पर 22/09/24 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

सडक़ हादसे में घायल युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

दो बाइकों की भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल युवक की मौत इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। जानकारी के अनुसार सुनील कुमार पिता अंबेलाल (22) ग्राम डकईपारा थाना पटना का रहने वाला था। वह शनिवार को अपने साथ सूरज व निलेश के साथ बाइक से काम करने बैकुंठपुर गया था। शाम को तीनों वापस लौट रहे थे। रास्ते में डकईपारा पुलिया के पास सामने से आ रही दूसरे बाइक सवार से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में सुनील गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे बैकुंठपुर अस्पताल से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं : राजेश दुबे

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश काँग्रेस कमेटी विधिविभाग के महामंत्री एवं सरगुजा संभाग के प्रभारी राजेश दुबे अधिवक्ता ने कहा कि भाजपा राज में छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था पूरी तरह खत्म हो चुकी है,बलौदाबाजार जिले में एक वर्ग के सरकार के विरुद्ध उपजे आक्रोश से जिले के एसपी कलेक्टर का कार्यालय आगजनी का शिकार हुआ, इसी तरह गृहमंत्री के जिले में कवर्धा के लोहारीडीह में हुए गुटीय संघर्ष में आगजनी और हत्याकांड की घटना हुई,पुलिस हिरासत में प्रशांत साहू नामक युवक की पुलिस के बर्बरता पूर्वक पिटायी से मृत्यु हो गई युवक के पूरे शरीर में पिटायी से चोट के निशान पाए गए,मृतक युवक प्रशांत साहू के माँ का आरोप है कि उसे नग्न करके एवं उसके द्वितीय पुत्र को भी पुलिस हिरासत में बुरी तरह पीटा गया उसके एवं उसके द्वितीय पुत्र के पूरे शरीर में गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं इसी तरह पुलिस हिरासत में लिए गए कई युवक पुलिस की बर्बरता पूर्वक पिटायी से चलने फिरने में असमर्थ हो गए हैं, लगभग 34 पुरुष एवं 33 महिलाएँ पुलिस पिटायी से ज़ख्मी हुए हैं। कसडोल के ग्राम छरछेद में एक ही परिवार के चार सदस्यों की अंधविश्वास के चलते हत्या हो गई, भिलाई अंतर्गत शुभम सिंह नामक युवक द्वारा जामूल थाना की पुलिस पर आरोप लगाया गया कि उसे पुलिस वालों ने रातभर थाने में बंद करके बेदम पिटायी की गई है। इसी तरह पूरे छत्तीसगड़ में जंगलराज चल रहा है कानून व्यवस्था नाम की कोयी चीज नहीं है । पत्रकार तक सुरक्षित नहीं सरकार को आइना दिखाने पर उन्हें झूठे प्रकरणों में फसा दिया जाता है अथवा बुलडोजर से उनका कार्यालय जमींदोज़ कर दिया जाता है ।

दुबे ने साय सरकार को आड़े हाथो लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री से प्रदेश की कानून व्यवस्था सँभल नहीं रही है उन्हें नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफ़ा दे देना चाहिए । श्री दुबे ने आगे कहा कि मा भूपेश बघेल जी की काँग्रेस सरकार में प्रदेश में कानून का राज था,अमन चैन था जनता खुश थी ।

एकता परिषद के तत्वाधान में शांति एवं सद्भावना पद यात्रा का मिरगा डांड में हुआ समापन

- संवाददाता -
उदयपुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

11 से 21 सितम्बर 2024 भूदान दिवस से विश्व शांति दिवस तक पदयात्रा एवं शांति सभा छत्तीसगढ के जिला सरगुजा ब्लॉक उदयपुर में आयोजित किया गया इसी कड़ी में एकता परिषद के तत्वाधान में पदयात्रा मृगाडांड से उदयपुर तक आयोजित किया गया, शांति सभा का संचालन रघुवीर दास एकता परिषद राज्य समन्वयक उत्तर छत्तीसगढ़ ने किया कार्यक्रम के शुरुआत में जिला पंचायत सदस्य राजनाथ सिंह उदयपुर, आशाराम ललाती सरपंच, सिद्धार्थ सिंह देव पूर्व विधायक प्रतिनिधि, ओमप्रकाश सिंह जनपद पंचायत उदयपुर के अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं संगठन के मुखिया श्रीमति मानमति,श्रीमति मीना,श्रीमति रतियानो , श्रीमति रजनी देवी ,व प्रमिला तिग्गा आदि के द्वारा गांधी जी के छाया चित्र में पूजा अर्चना माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उसके पश्चात प्रमिला केरकेट्टा एवं अमरनाथ फुलसुंदरी के द्वारा सर्व धर्म प्रार्थना करवाए एवं जय जगत का गीत भी गाया गया। न्याय, शांति ,सदभावना पदयात्रा मृगा डांड से

» ग्रामवासियों सहित जनप्रतिनिधियों ने यात्रा का किया समर्थन

लेकर उदयपुर सीमा तक पदयात्रा किए। पण्डो सामुदायिक भवन मृगाडांड के प्रांगण में शांति सभा आयोजित किया गया सभा में 37 गांवो से लगभग 450 सदस्यों, संगठन के मुखिया महिलाओं व पुरुषों ने भाग लिया , शांति एवं सद्भावना के उद्देश्य को बताते हुए रघुवीर दास ने बताया कि एकता परिषद के संस्थापक श्री राजगोपाल पी. व्ही के नेतृत्व में शान्ति एवं सद्भावना पद यात्रा कनाडा अमेरिका में विश्व शांति दिवस तक कर रहे हैं। श्री राजगोपाल जी का संदेश अहिंसा, महात्मा गांधी के सिद्धांतो पर आधारित है उन्होंने दुनिया भर में शांति और अहिंसा का प्रचार, सामाजिक न्याय, समाज के कमजोर और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिलना है। सत्य मेव जयते और ईमानदारी के महत्व को उन्होंने अपने संदेश में प्रमुखता दी है। उनका मानना था कि सत्य के राह पर चलकर समाज में वास्तविक परिवर्तन लाया जा सकता

है। आज जब जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय बना हुआ है । अहिंसा और सादगी संदेश ने हमें बताया है कि प्रकृति का संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है यह पदयात्रा उसी विचारधारा का प्रतीक है। इसमें लोगो को जल और संरक्षण स्वच्छ ऊर्जा का प्रयोग व प्रदुषण नियंत्रण की जानकारी दी जाएगी।

यात्रा का संदेश सिर्फ जागरूकता फैलाना ही नहीं अपितु स्वयं जलवायु संरक्षण के लिए प्रेरित करना भी है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि एकता परिषद का कार्य बहुत ही सराहनीय है जो गांधीवादी सिद्धांत के राह पर चलकर इनके कार्यकर्ता और संगठन कार्य करते हैं वह प्रेरणादायक है इस कार्यक्रम को हम समर्थन देते हैं। सिद्धार्थ सिंह देव ने कहा कि एकता परिषद के संस्थापक श्री राजगोपाल पी. व्ही के नेतृत्व में कनाडा अमेरिका में शांति सदभावना के पदयात्रा का काम कर रहे हैं वह सराहनीय है और उन्होंने बताया कि सुंदर दुनिया बनाने की जो अभियान चला रहे हैं वह बहुत अच्छी पहल है। उदाहरण स्वरूप उन्होंने बताया कि किसी पंचायत तहसील या अन्य कार्यालय को लीपाई पुताई कर अच्छा सा आकर्षण बनाया जाए तो क्या वो सुंदर है? उन्होंने कहा कि उस भवन में बैठने वाले पंच सरपंच सचिव या अन्य अधिकारी जो भी हो उनके सोच में बदलाव व सहानुभूति स्नेह प्रेम की झलक दिखाई दे तभी ही सुंदर ग्राम पंचायत तहसील व दुनिया दिखेगा ।

ओमप्रकाश ने शांति सदभावना पदयात्रा में भाग लिए हुए समस्त महिला पुरुष मुखिया एवं कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि गांधी जी के सिद्धांत को गांधी जी के बताये मार्ग सत्य अहिंसा को जन जन तक पहुंचाने का संदेश दे रहे हैं यह काफी सराहनीय है।

यात्रा के दौरान आए समस्याओं और मांगों से अनुविभागीय अधिकारी उदयपुर को अवगत कराया गया जिनमें व्यक्तिगत अधिकार पत्र जो भरे हैं पात्रता अनुसार उनकी जांच करवाकर अधिकार पत्र दिलवाना, दावा करने के उपरांत उनके दावा को जो अपात्र हैं और अपील भी किए हैं, उन्हें पुनः जांच करवाना, सामुदायिक वन संसाधन का अधिकार दावा लगाए हैं उनका जांच करवाकर अधिकार दिलवाना, सूची में नाम है परंतु अधिकार पत्र नहीं प्राप्त हुआ है उसे भी दिलाने जैसे मांग व समस्या शामिल हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शीतल बोध एकता परिषद अध्यक्ष जिला सरगुजा , अमरनाथ कार्यकर्ता, मुखिया उत्तम दास, श्रीमति मानकुंवर, मधु, श्री मति मीना, श्री मति रजनी , सूरज, मुन्ना दास, अनिल राम, रामसाय , धीरन, जगदम्बा एवं कार्यकर्ता प्रमिला केरकेट्टा, अमर नाथ, श्री मति फुलसुंदरी, सुश्री प्रमिला तिग्गा व रघुवीर दास जी का सराहनीय योगदान रहा।

BTec की छात्रा ने फांसी लगा की आत्महत्या,पुलिस जांच में जुटी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

इंजीनियरिंग कॉलेज अंबिकापुर में पढ़ने वाली एक छात्रा ने किराए के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा के उठाए गए इस कदम से उसकी सहेलियां हतप्रभ हैं। घटना की सूचना पर गांधीनगर थाना पुलिस जांच में लगी है। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस ने मृतिका का मोबाइल फोन जब्त किया है। शव को पंचनामा, पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया गया है।

जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिला अंतर्गत सकरी निवासी अंकिता राज जोशी पिता राजकुमार जोशी 26 वर्ष, इंजीनियरिंग कॉलेज डिगमा अंबिकापुर में बीटेक में तृतीय वर्ष की छात्रा थी। छात्रा अटल चौक डिगमा में ही किराए के मकान में रहती थी। अगल-बगल में इंजीनियरिंग कॉलेज की जूनियर छात्राएं भी रहती हैं, जो कॉलेज से आने के बाद एक-दूसरे के यहां आना-जाना करती थीं।

बताया जा रहा है कि 19 सितम्बर को अंकिता राज जोशी अपने मोबाइल फोन से बगल में

रहने वाली सहेली के मोबाइल में अपने पिता का मोबाइल नंबर भेजी थी और बोलचाल के लहजे में लिखकर यह बताने का प्रयास की थी कि यह नंबर उसके पापा का है। सहेली कुछ समझ नहीं पाई और उस वक्त भेजे गए नंबर को नजरअंदाज कर दी थी। इन सबके बीच अंकिता बगल में रहने वाली सहेली के यहां से ही खुदकुशी करने के पूर्व लगभग 3-4 बजे कुर्सी मांगकर लाई थी। बगल में रहने वाली जूनियर छात्राओं ने किसी प्रकार का रोकटोक नहीं किया और कुर्सी ले जाने दीं। वे नहीं समझ पाई थीं कि किस उद्देश्य से कुर्सी लेकर गई है।

इधर रोजाना की भांति जूनियर छात्राएं कॉलेज चले गई थीं। कॉलेज से आने के बाद रोजमर्रा की भांति सहेलियां अंकिता के घर की ओर गई और दीदी-दीदी आवाज लगाने लगीं, लेकिन किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। छात्राएं जब दरवाजे को धक्का दीं, तो वह अंदर से बंद नहीं रहने के कारण खुल गया। इसके बाद कमरे के अंदर का नजारा देखकर उनकी चीख निकल गई। अंकिता पंखा के सहारे फांसी पर झूल रही थी। बिस्तर में कुर्सी पड़ा था, जिसके सहारे वह पंखे तक पहुंची थी और फांसी पर लटककर जान दे दी थी। इसकी जानकारी छात्राएं आसपास के लोगों को दी थी। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और मौका पंचनामा कर शव को फांसी से नीचे उतरवाया।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से रविवार की सुबह एक युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार शहर के नवागढ़ निवासी मुस्तफा आलम (22) रविवार को अपने घर के खिड़की पर चढ़कर चुक काम कर रहा था। तभी वह घर के पास से कम ऊंचाई से गुजरे 11 हजार केवी तार के संपर्क में आा गया। संपर्क में आते ही वह जमीन पर गिर गया और उसका हाथ झुलस गया। परिजन ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुस्तफा का दो माह बाद शादी होने वाली थी। इसके सिर से पिता का साय पूर्व में ही उठ चुका है। वह घर का मात्र इकलौता कमाउ सदस्य था। घटना की जानकारी मिलने पर वार्ड के पार्षद फौजिया नॉज इद्रिसी ने मृतक के घर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और अंतिम संस्कार के लिए 10 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की।

नगर सेना जनरल ड्यूटी के लिए अभ्यर्थियों ने जताया विरोध,बहाली निरस्त करने की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नगर सेना जनरल ड्यूटी के लिए भर्ती प्रक्रिया रविवार से शुरू हो गई है। अपात्र घोषित किए जाने पर बलरामपुर,सूरजपुर व जशपुर जिले के अभ्यिर्थियों ने पीजी कॉलेज में जमकर हंगामा किया। इन अभ्यर्थियों ने भर्ती में गड़बड़ी किए जाने का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए पूरे सरगुजा संभाग के अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जबकि भर्ती केवल सरगुजा व कोरिया के लिए था।

अम्बिकापुर पीजी कॉलेज मैदान में 16 से 21 सितंबर तक हॉस्टल ड्यूटी हेतू पूरे सरगुजा संभाग के लिए 430 पद के लिए सिर्फ महिला उम्मीदवारों की भर्ती के लिए फिजिकल प्रक्रिया पूर्ण की गई। वहीं 22 सितंबर से नगर सेना जनरल ड्यूटी के 100 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें बलरामपुर, सूरजपुर और जशपुर जिले से फॉर्म भरने वाले अभ्यर्थियों ने एडमिट कार्ड जारी होने के बाद भी अयोग्य घोषित कर दिया गया।

चयन समिति अध्यक्ष एवं संभागीय कमांडेंट नगर सेना राजेश पांडेय ने बताया कि उक्त दोनों भर्ती प्रक्रिया टाइम टेक्नोलॉजीज कंपनी हैदराबाद द्वारा लिया जा रहा है। उक्त कंपनी द्वारा नगर सेना जनरल ड्यूटी की भर्ती में केवल सरगुजा व कोरिया जिले को शामिल किया गया है। इसके बावजूद भी संभग के 6 जिलों के अभ्यर्थियों ने नगर सेना जनरल ड्यूटी के लिए आवदन कर दिया है। करीब दो महीने पहले सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र भी जारी हो गया।

16 सितंबर से चल रही प्रक्रिया

सरगुजा संभाग में नगर सेना की भर्ती 2 चरणों में की जा रही है। पहले चरण में 16 सितंबर से 21 सितंबर तक 430 पदों पर हॉस्टल ड्यूटी के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी की गई। इसमें संभाग के सभी 6 जिलों के महिला अभ्यर्थियों को शामिल किया गया। दूसरे चरण में रविवार से नगर सेना जनरल ड्यूटी की भर्ती शुरू की गई है। इसमें सरगुजा जिले के 60 और अविभाजित कोरिया जिले के 40 पदों के लिए भर्ती की जाएगी।

भर्ती प्रक्रिया में घेर लापरवाही

युवा कांग्रेस आरटीआई विभाग के चेयरमैन हिमांशु जायसवाल ने होम गार्ड की भर्ती प्रक्रिया में घोर लापरवाही बताया है। भर्ती के लिए अभ्यर्थियों प्रवेश पत्र जारी कर इनको आमंत्रित किया गया और फिर रद्द कर दिया गया। इससे युवकों को मानसिक प्रताडना झेलना पड़ा है। अभ्यर्थियों के हित के लिए आंदोलन कर भर्ती रद्द करवाएंगे और नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया जारी कराने की मांग करेंगे।

भाजपा एवं भाजपा शासन के घोर विरोधी प्रमोद सिंह को कौन दे रहा है संरक्षण ?

सरगुजा कलेक्टर के चहेते प्रभारी कार्यालय अधीक्षक की शिकायत पीएमओ में...जांच के लिए पत्र आया कलेक्टर कार्यालय, क्या होगी जांच ?

सरगुजा संभाग के एक मंत्री के करीबी के हैं करीबी...क्या यही वजह है कि प्रभारी कार्यालय अधीक्षक को नियम विरुद्ध रखा गया है ?

सरकार किसी की भी हो पर प्रमोद सिंह का जलवा हमेशा कायम रहता है, क्या इस वजह से अधीक्षक के रहते हुए भी प्रभारी कार्यालय अधीक्षक बने हुए है ?

कलेक्टर कार्यालय में अधीक्षक मौजूद फिर भी प्रभारी कार्यालय अधीक्षक से ही सरगुजा कलेक्टर क्यों ले रहे काम ?

जिला निर्वाचन के सुपरवाइजर बन गए कलेक्टर के प्रभारी कार्यालय अधीक्षक और अपने हिसाब से चला रहे सरगुजा कलेक्टर को ?

सरगुजा कलेक्टर को सिर्फ अपने प्रभारी कार्यालय अधीक्षक पर ही... क्यों है भरोसा ?

-भूपेन्द्र सिंह-
अम्बिकापुर,22 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा कलेक्टर के चहेते प्रभारी कार्यालय अधीक्षक के विरुद्ध लगाए गए हैं गंभीर आरोप और की गई है पीएमओ में शिकायत,जिसके जांच के लिए आया कलेक्टर कार्यालय पत्र लेकिन अपने ही जांच को दबा दिया प्रभारी अधीक्षक प्रमोद सिंह ने, ऐसे में प्रभारी कलेक्टर कार्यालय अधीक्षक की जांच कैसे होगी यह भी बड़ा सवाल है वहीं सूत्रों का यह भी दावा है कि प्रमोद सिंह की पहुंच कुछ ज्यादा ही ऊंची हो गई है सरकार किसी की भी रहे पर वह अपने मन मुताबिक अपना जुगाड़ लगा ही लेते हैं,पूर्व सरकार में तो अपना स्थानांतरण यथावत रखवा लिया था साथ ही वर्तमान सरकार में भी नियम विरुद्ध तरीके से कार्यालय अधीक्षक होने के बावजूद कलेक्टर के प्रभारी अधीक्षक बने हुए हैं यह भी बताया जा रहा है कि प्रमोद सिंह सरगुजा संभाग के एक मंत्री के करीबी के करीबी हैं,जिस वजह से अपनी मनमानी चला रहे हैं। जिस मंत्री के करीबी के करीबी हैं वह व्यक्ति भी कम नहीं है पहले भी सरगुजा के एक मंत्री के करीबी भी रह चुके हैं पर इस बार वह दूसरे मंत्री के पास चिपक गए हैं और अब अपना काम निकाल रहे हैं।

प्रभारी कार्यालय अधीक्षक प्रमोद कुमार सिंह,सहा0 ग्रेड-02 से सरगुजा जिले के समस्त प्रताड़ित अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने बिना नाम के प्रधानमंत्री भारत सरकार,मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को शिकायत करते हुए आरोप लगया की प्रमोद कुमार सिंह सहायक ग्रेड-02,वर्तमान में मुख्य निर्वाचन आयोग रायपुर छ.ग. के द्वारा कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जिला सरगुजा अम्बिकापुर छ.ग. में निर्वाचक पर्यवेक्षक के रूप में पदस्थ किया गया है। किन्तु अपने प्रभाव के कारण एक अन्य पद जो कलेक्टर कार्यालय अधीक्षक के पद पर प्रभारी अधीक्षक के रूप में कार्य दबंगई से कर रहा है। प्रमोद सिंह, सहा. ग्रेड-02 जो कि पूर्व कांग्रेस पार्टी के मंत्री सहयोगी माने जाते है छत्तीसगढ़ राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के आदेश क्रमांक एफ-4-6/2022/सात-3 नवा रायपुर अटल नगरं दिनांक 30 सितम्बर 2022 को सं.क. 13 में अंकित प्रमोद सिंह को कार्यालय कलेक्टर जिला सरगुजा से कार्यालय कलेक्टर बलरामपुर,जिला बलरामपुर में स्थानांतरण किया गया है। प्रमोद सिंह द्वारा पूर्व सरकार के मंत्री एवं पूर्व कलेक्टर कुंदन कमार से मिली भगत कर अपना स्थानांतरण रूकवा लिया गया है, जबकि जिला कार्यालय में प्रमोद सिंह के नाम से मात्र एक ही व्यक्ति यही है। तथा अवैधानिक रूप से राजेश सोनी को निर्वाचक पर्यवेक्षक के पद से हटाकर स्वयं प्रमोद सिंह निर्वाचक सुपरवाईजर के पद पदस्थ हुआ है। प्रमोद सिंह भाजपा एवं भाजपा शासन का घोर विरोधी है तथा भाजपा का होने का दिखावा करता है,वहीं यह भाजपा शासन की योजनाओ में बाधा उत्पन्न कर सकता है। कुंदन कुमार के खास आदमी होने के कारण प्रमोद सिंह का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वर्तमान में पदस्थ सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान को भी प्रमोद सिंह द्वारा अपने बस में कर लिया गया है और कलेक्टर महोदय को अपने चंगुल में फंसाकर कार्या0 कलेक्टर सरगुजा में प्रभारी अधीक्षक के पद पर कार्य कर रहा है।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, गुरूवार 05 सितम्बर 2024 | 3

सरगुजा कलेक्टर को कार्यालय अधीक्षक के रहते हुए भी प्रभारी अधीक्षक पर ही भरोसा क्यों ?

कलेक्टर कार्यालय में अधीक्षक मौजूद फिर भी प्रभारी अधीक्षक से ही सरगुजा कलेक्टर क्यों ले रहे काम...

कलेक्टर सरगुजा को भ्रमित कर प्रभारी अधीक्षक ने लिया छप रही खबरों से प्रतिशोध का बदला

क्या जिला निर्वाचन के सुपरवाइजर बन गए कलेक्टर के प्रभारी अधीक्षक और अपने हिसाब से चला रहे सरगुजा कलेक्टर को...

दैनिक घटती-घटना अखबार के दफ्तर व प्रतिष्ठान की कार्यवाही में कलेक्टर कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक की भूमिका संदिग्ध

सरगुजा कलेक्टर को सिर्फ अपने प्रभारी कार्यालय अधीक्षक पर ही है क्यों है भरोसा

-भूपेन्द्र सिंह-
अम्बिकापुर,04 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

आय से ज्यादा संपत्ति

सहायक ग्रेड दो का कर्मचारी नहीं बन सकता कलेक्टर कार्यालय का अधीक्षक कैसे बने हुए हैं प्रमोद सिंह प्रभारी

कलेक्टर कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक का नहीं जमता अन्य कर्मचारियों से

जिले के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रताड़ित करने का है प्रमोद सिंह पर आरोप

प्रमोद कुमार सिंह के द्वारा प्रभारी अधीक्षक बनकर जिले के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रताड़ित करते हुए झूठा शिकायत किया जाता है ट्रांसफर करवा दूंगा बोल कर रकम की वसुली भी किया जा रही है जिससे जिले के अधिकारी एवं कर्मचारी अत्यधिक प्रताड़ित है। इस बात की जानकारी वर्तमान कलेक्टर को मालूम रहते हुए भी प्रमोद सिंह को प्रभारी अधीक्षक के पद से पता नहीं क्यों हटाया नहीं जा रहा है? क्या इस बात की जानकारी वर्तमान कलेक्टर को होने के बावजदू भी उनको दोनों जगह का प्रभार में रखा गया है।

प्रमोद सिंह उठा रहे दोहरे प्रभार का मजा

शिकायत में ये भी आरोप है की वर्तमान में इस जिले में पूर्व से ही अधीक्षक आर.एस. पाण्डेय एवं सहायक अधीक्षक श्रीमती उर्मिला देवी,एसपी सिंह पदस्थ हैं। इसके बाद भी प्रमोद सिंह को दोहरा प्रभार दिया गया है और प्रमोद कुमार सिंह का एक सूत्रीय कार्य बार-बार कर्मचारियों को प्रताड़ित करना है और अभद्र टिप्पणी करना है, प्रत्येक रीडर (वाचक) से पैसे की वसूली करना आदत में सुमार हो गया है इनके तथा कुछ ऐसे वाचक हैं जिनसे नये-नये वर्जन का मोबाईल की मांग की जाती है। बेचारे वाचक आपस में चन्दा करके प्रमोद सिंह को मोबाईल भी दे चुके हैं।

कार्यवाही न होने की वजह से प्रधानमंत्री को शिकायत

वर्तमान कलेक्टर द्वारा प्रमोद सिंह को नहीं हटाये जाने के कारण आपको (प्रधानमंत्री) शिकायत करनी पड़ रही है जिसके कारण एक उम्मीद से आप को पत्र लिखा जा रहा है कि हम समस्त अधिकारी कर्मचारीयों को राहत की उम्मीद है कि इस बार हमारे पत्र को संज्ञान में लेते हुए प्रमोद सिंह कलेक्टर कार्यालय अम्बिकापुर को उनको मूल पदस्थापना निर्वाचन कार्यालय में कार्य करने हेतु प्रशासन को आदेशित करने की महती कृपा करें या छ.ग. राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग महानदी भवन,नया रायपुर अटल नगर के आदेश क्रमांक एफ-4-6/2022/सात-3 नव रायपुर अटल नगर, दिनांक 30 सितम्बर 2022 के द्वारा की गई स्थानांतरण स्थल जिला बलरामपुर हेतु भारमुक्त कराया जाना आवश्यक है, तभी इस जिले के कर्मचारियों को राहत मिलेगी। अन्यथा कई कर्मचारी आत्महत्या करने के लिए भी तैयार है जिसकी पूरी जिम्मेदारी श्री सिंह के उपर होगी। यह पत्र शिकायत स्वरूप लिखा गया है कर्मचारियों द्वारा।

कलेक्टर कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक का नही जमता अन्य कर्मचारियों से

बताया जा रहा है की सरगुजा कलेक्टर कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक का अन्य कर्मचारियों से नहीं जमता। कार्यालय के ही अन्य कर्मचारी एक तरह से उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह मनमानी करने में माहिर हैं वहीं उच्च अधिकारियों के चापलूसी में वह अन्य कर्मचारियों की कमियां गिनाने का काम करते हैं। साथ ही एक कर्मचारी ने नाम ना बताने की शर्त पर यह भी बताया कि हर विभाग से इनके द्वारा वसूली की जाती है, दैनिक घटती-घटना इस बात की पुष्टि नहीं करता पर इस बात पर अधिकारियों को संज्ञान लेकर अंदरूनी जांच का आनी चाहिए।

सहायक ग्रेड दो का कर्मचारी नहीं बन सकता कलेक्टर कार्यालय का अधीक्षक

कलेक्टर कार्यालय का अधीक्षक सहायक ग्रेड 2 का लिपिक नहीं हो सकता। वह उससे उच्च श्रेणी लिपिक ही बन सकता है उसके बावजूद सरगुजा कलेक्टर कार्यालय का अधीक्षक एक सहायक ग्रेड 2 लिपिक बना हुआ है। ऐसा हम नहीं नियम कहते हैं। अधीक्षक का पद कलेक्टर कार्यालय में राजपत्रित श्रेणी का हो जाता है और सरगुजा में इस नियम के विपरीत कार्यालय अधीक्षक की मौजूदगी के बावजूद एक सहायक ग्रेड 2 असल अधीक्षक बनकर बैठा है और असल अधीक्षक दूसरा काम देख रहा है। खुद को नियम कायदे का पक्का बताने वाले सरगुजा कलेक्टर भी इस मामले में मौन हैं और सबकुछ जानकर भी वह अनजान बने हुए हैं। वैसे लोगों का कहना है की सरगुजा कलेक्टर की कुर्सी का मोह ही गजब का है जो आता है वह फिर नियम कायदा भूल जाता है और वही करता है जो पीछे अन्य कर गुजरे हैं।

प्रमोद सिंह का अब तक का कार्यकाल

आपको बता दें कि कलेक्टर सरगुजा के प्रभारी अधीक्षक प्रमोद सिंह किसी पहचान के मोहताज नहीं है इनकी कार्यशैली ही बड़ी अजीब है हम यदि इनके नौकरी के कार्यकाल पर नजर डालें तो प्रमोद सिंह की नौकरी संविदा में 1988 में जल संसाधन विभाग में लगी थी उसके बाद यह रेगुलर होकर सहायक ग्रेड 3 बन गए थे, फिर प्रमोशन होने के बाद सहायक ग्रेड 2 हो गए, यहां तक की 2022 में इनका स्थानांतरण बलरामपुर जिले में हुआ था पर उस समय के तत्कालीन कलेक्टर ने भारमुक्त नहीं किया, जिस वजह से वह आज भी सरगुजा में अपनी पैठ जमाए हुए हैं नजूल विभाग में रहते हुए इनका नाम राजमोहिनी जमीन घोटाले में भी सामने आया था, उस समय यह वहां के बाबू थे अचानक 2023 में जब सरगुजा के तत्कालीन कलेक्टर कुंदन कुमार की पदस्थापना हुई उस समय यह कलेक्टर अधीक्षक को हटाकर प्रभारी अधीक्षक का जगह लेने में सफल हो गए, और प्रभारी अधीक्षक होने की वजह से ही राजमोहिनी जमीन घोटाले में भी बचने में भी सफल हो गए। वर्तमान में भी वह सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान के प्रभारी अधीक्षक हैं, चर्चा तो यह भी है कि कलेक्टर धृतराष्ट्र बने हुए हैं और प्रभारी अधीक्षक प्रमोद सिंह दुर्योधन,जो प्रमोद सिंह कहते हैं वही कलेक्टर साहब करते हैं चाहे क्यों ना उन्हें नियम के विरुद्ध जाना पड़े।

निर्वाचन कार्यालय में निर्वाचन के समय अधिकारियों से अभद्रतापूर्वक व्यवहार का है आरोप

प्रमोद सिंह के द्वारा निर्वाचन कार्यालय में निर्वाचन के समय जिले के अधिकारियों से अभद्रतापूर्वक व्यवहार किया जाता है और डरा-धमकाकर ब्रांडेड कंपनी के जूते और कपड़े लिए जाते हैं यह कटु सत्य है। प्रमोद सिंह के उक्त कृत्य से सरगुजा जिले के सगस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अपने कर्तव्य के प्रति मनोबल गिरता जा रहा है तथा निडर होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन भी नहीं कर पा रहे हैं। प्रमोद सिंह के संबंध में तत्कालीन कलेक्टर एवं शासन-प्रशासन को कई बार पत्र लिखकर शिकायत की गई है. किन्तु हर बार निराशा ही हाथ लगी है क्योकि प्रमोद सिंह अपने आपको बहुत पहुंचे हुए फकीर बताते हैं पर इनकी सच्चाई इस पत्र में उकेरी गई है।

आय से ज्यादा सम्पति का भी है आरोप

प्रमोद सिंह इसके पहले नजूल अधिकारी के कार्यालय में रीडर कार्य करते थे तथा वर्तमान में निर्वाचक सुपरवाईजर के साथ-साथ प्रभारी अधीक्षक के रूप में कार्य करने के दौरान इतना अधिक सम्पति अर्जित कर चुके हैं की इनके दोनों बेटे एक का तो शासकीय तौर पर एमबीबीएस में एडमिशन हुआ है और पढ़ाई भी पूरी हो चुकी है पर दूसरे बेटे को पेमेंट शीट के तहत् एमबीबीएस की पढ़ाई कराई जा रही है। जिसमें कई लाख रूपये खर्चा होता है इतना अधिक खर्च एक छोटे कर्मचारी बाबू जैसे के बस में नहीं है,तो फिर प्रमोद सिंह कहां से इतना अधिक पैसा पाते हैं। इसकी भी जिला प्रशासन जांच करें। प्रमोद सिंह के विरूद्ध कई बार शिकायत की गई किन्तु स्वयं प्रमोद सिंह द्वारा शिकायत पत्रों को साइड कर दिया जाता है,कलेक्टर तक पहुंच ही नहीं पाता है क्योंकि वे स्वयं प्रभारी अधिक्षक है और सारे डाक पत्र उन्हीं के हाथों से होकर गुजरते है।

प्रमोद सिंह, सहा0ग्रेड-02 के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने की मांग

शिकायतकर्ता जनों ने माननीय प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन व ओपी चौधरी कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन से निवेदन करते हुए लिखा कि प्रमोद सिंह के विरुद्ध तथ्यात्मक जांच करायी जाये और जांच में किसी तरह की बाधा उत्पन्न ना हो, इसलिये प्रमोद सिंह, सहा. ग्रेड-02 को जिले से बाहर स्थानांतरण अनिवार्य है। तथा प्रमोद सिंह सहा. ग्रेड-02 के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने एवं आय से अधिक सम्पत्ति का जांच कर ठोस कार्यवाही करने की मांग किया गया है। साथ ही यह भी लिखा की उक्त शिकायत पत्र में शिकायत करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी डर के मारे अपना नाम एवं हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं, क्योंकि प्रमोद सिंह द्वारा मारने की धमकी भी दी जाती है।

क्या चहेतों के लिए प्रदेश में सारे नियम शिथिल हो जाते है ?

प्रदेश में क्या हो रहा है यह सवाल इसलिए उत्पन्न हो चुका है क्योंकि जो हो रहा है वह नियम को शिथिल करके ही हो रहा है, एक मामला सामने आया है वह मामला है कलेक्टर के अधीक्षक का पूरे प्रदेश में कुल 39 अधीक्षक का पद है 33 कलेक्टर अधीक्षक व पांच कमिश्नर अधीक्षक व एक रिवेन्यू बोर्ड अधीक्षक होते हैं पर इस समय पूरे प्रदेश के 33 जिले में से 20 जिला कलेक्टर अधीक्षक से चल रहा है तो वहीं 13 जिले के कलेक्टर के अधीक्षक प्रभारी हैं, जिसमें से हम बात करें सरगुजा जिले की तो यहां तो स्थिति और भी विपरीत है यहां पर कलेक्टर अधीक्षक का पद स्वीकृत है और कलेक्टर अधीक्षक इस जिले में मौजूद है फिर भी निर्वाचन कार्यालय के सुपरवाइजर से प्रभारी अधीक्षक बने प्रमोद सिंह पर कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर संदीपन का भरोसा ज्यादा है, इस समय सरगुजा कलेक्टर प्रभारी कलेक्टर कार्यालय अधीक्षक प्रमोद सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे हैं, सवाल यह भी उत्पन्न होता है कि आखिर जब कलेक्टर कार्यालय के अधीक्षक मौजूद है तो फिर प्रभारी अधीक्षक की जरूरत क्या है और वह भी उस अधीक्षक की जो इस समय दोनों जगह का काम देख रहे हैं जिला के निर्वाचन विभाग के सुपरवाइजर भी हैं और कलेक्टर सरगुजा कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक भी और उसके साथ ही यह वह व्यक्ति हैं जिनका नाम राजमोहिनी जमीन घोटाले में सामने आया था पुलिस ने बयान भी लिया था उस समय यह नजूल के बाबू थे।

राजस्व विभाग का बड़ा कारनामा...

बिना कलेक्टर परमिशन के बड़े झाड़ जंगल मद की आबंटित जमीन को किया गया बिक्री

नामांतरण एवं डायवर्सन!

पटवारी सहित राजस्व विभाग के अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

उक्त भूमि पर इंडियन ऑयल का पेट्रोल पंप स्थापित करने की तैयारी... नियमों के तहत उक्त भूमि पर केवल कृषि कार्य ही किया जा सकता हैं

क्या कलेक्टर व नगर निवेश कार्यालय में धनबल व राजनीतिक दबाव डालकर एनओसी लेने की जुगत में एक व्यापारी,जबकि 1944-45 और 1954-55 में बड़े झाड़ के जंगल मद में दर्ज है भूमि

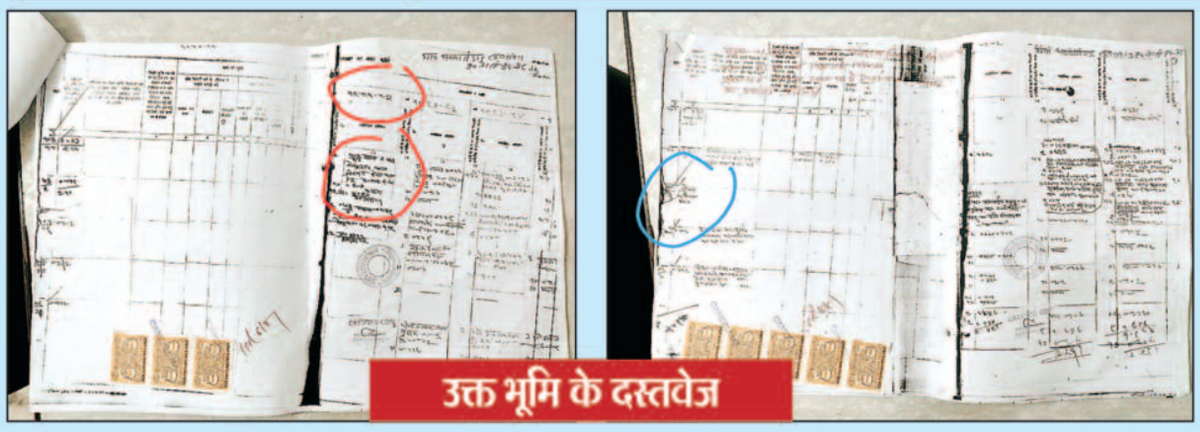

उक्त भूमि के दस्तवेज

-रवि सिंह-
मनेंद्रगढ़,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर मनेंद्रगढ़ से लगे चनवारीडांड में इन दिनों एक निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले ही काफी चर्चा में बना हुआ है बताया जाता है कि एक स्थानीय व्यापारी जो पूर्व से कुकिंग गैस वितरण का व्यापार करता आ रहा है, उसके द्वारा छोटे-बड़े झाड़ के जंगल वाली भूमि अवैध तरीके से बिना कलेक्टर से परमिशन के रजिस्ट्री व नामांतरण करा लिया गया है और राजस्व के भ्रष्ट अधिकारियों से साथ साठ गाठ कर उक्त भूमि का डायवर्सन भी करा लिया है, उसी भूमि पर भूस्वामी द्वारा द्वारा इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का एक पेट्रोल पंप लगाया जा रहा है पूरी तरह से शासकीय नियमों और माप डंडों के विपरीत विधि विधान को ताक में रखकर राजनीतिक चमक और सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारी के आशीर्वाद से मनमाना राशि खर्च कर पैसे की धमक के दम पर वह पेट्रोल पंप निर्माण कार्य को धड़ल्ले से चालू कर रखा है जो पूरी तरह से अवैध बताया जाता है कलेक्टर और नगर निवेश कार्यालय में भी धनबल और राजनीतिक दबाव के चलते अनुमति दिए जाने की प्रक्रिया अंतिम स्तर पर है, अनुमति प्रदान करने की सारी प्रक्रिया में आवेदक के शिकायत को दरकिनार कर लगभग अनुमति जारी करने की सारी तैयारी कर ली गई है जबकि नियमानुसार जिस भूमि का 1944-45 और 1954-55 में बड़े झाड़ और छोटे झाड़ का जंगल मद में यदि दर्ज है तो उसकी अनुमति दिए जाने का प्रावधान बिल्कुल भी नहीं है।

उक्त भूमि

उल्लेखनीय रहे की मनेंद्रगढ़ जिला के बनने के बाद मनेंद्रगढ़ शहर में जमीन से संबंधित कारोबारीयो के नए-नए कारनामे देखने को मिल रहे हैं भ्रष्ट राजस्व विभाग में जमे पटवारीयो से लेकर अन्य जिम्मेदार अधिकारी भी इन दोनों बहती गंगा में हाथ धोने के फिराक में बैठे हैं और खूब जमकर माल कमा रहे हैं, शासकीय आधिकारी कर्मचारी के अलावा स्थानीय व्यापारी भी किसी से काम नहीं है वह भी पैसे कमाने की होड़ में कोई जमीनों को खरीदने में अपना काला धन खफा रहा है, तो कोई आदिवासियों के नाम पर जमीन लेकर उसमें पेट्रोल पंप लगा रहा है तो कोई पाव-पबिया की जमीन सस्ते दामों में खरीद कर लोगों को ऊंचे दाम में बेचकर भोले भाले नागरिकों को ठगने का काम कर रहा है कही पर अवैध प्लाटिंग का खेल खेला जा रहा है।

बड़े झाड़ के जंगल मत की भूमि में पेट्रोल पंप खोलने की तयारी

सूत्रों से मिलि जानकारी के अनुसार इसी क्रम में मनेंद्रगढ़ का एक व्यापारी जो कुकिंग गैस वितरण का कारोबार करता है उसके द्वारा शहर से लगे चनवारी डांड में एक इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन का एक पेट्रोल पंप लगाया जा रहा है शिकायतकर्ता किशोर अग्रवाल से मिली जानकारी और उनके द्वारा प्रदत्त दस्तावेजों के अवलोकन के अनुसार यह भूमि 1945 और 55 के रिकॉर्ड में बड़े झाड़ के जंगल बताया गया है इसी बीच यह भूमि किसी को किसी कार्य हेतु आवंटन में दी गई थी, आवंटित भूमि में सिर्फ और सिर्फ कृषि कार्य ही किया जाना था, लेकिन जिस व्यक्ति को यह भूमि आवंटित की गई थी उसने यह भूमि साकेत अग्रवाल को बेच दी थी नियमों के तहत यदि उक्त भूमि को बिक्री किया जाना यदि किसान चाहता है तो वह कलेक्टर से अनुमति लगा अनुमति के अपरांत ही उक्त भूमि की खरीदी बिक्री की जा सकती है, किंतु विक्रेता और साकेत अग्रवाल ने उक्त भूमि की खरीदी में कलेक्टर की परमिशन नहीं ली और रजिस्टर पटवारी तहसीलदार से सेटिंग कर नियमों को ताक में रखकर युक्त भूमि को खरीद लिया, मामला यहीं पर नहीं रुका..जिम्मेदार अधिकारियों ने उसे भूमि को जो बिना कलेक्टर के परमिशन के स्थानांतरित की गई थी उसे डायवर्सन भी कर दिया जबकि डायवर्सन करने वाले अधिकारी को इस बात की आवश्यक रूप से जान क किया जाना था कि आवेदक को उक्त भूमि किसी आदेश के तहत प्राप्त हुई डायवर्सन करने वाले अधिकारी ने उक्त बेहद जरूरी बिंदु को ध्यान न देकर नियमों को शिथिल रखकर भूमिका का डायवर्सन कर दिया जो पूरी तरह से अवैध बताया जाता है...पर दैनिक घटती घटना इस की पुष्टि नही करता है पर जांचा मामले की होनी चाहिए।

पेट्रोल पंप लगाने की अनुमति कैसे मिली?

नेशनल हाईवे के नियमों के मुताबिक बीच सड़क के मध्य से 40 मी की दूरी पर एवं बाईपास में 75 मीटर की दूरी पर कोई निर्माण कार्य की अनुमति नहीं दी जा सकती लेकिन बताया जाता है कि पेट्रोल पंप लगाने वाले व्यापारी ने अपनी चमक धमक और दबदबे का परिचय देते हुए नेशनल हाईवे के अधिकारियों को भी अपने तलवे चटवा दिए, और महज 12 मीटर की दूरी पर इसे निक प्रदान कर दिया है जो पूरी तरह से नियम विरुद्ध है आखिर नेशनल हाईवे के अधिकारी क्या आंख बंद करके अवलोकन कर रहे थे या अवलोकन का उनका कोई अपना मापदंड नहीं था या फिर ठेकेदार से मोटा राशि लेकर नियमों को तक में रखकर उन्होंने इसे पेट्रोल पंप संचालक की अनुमति दी है, अभी कुछ दिन बाद नेशनल हाईवे 4 लेंन बनाए जाने की योजना पर कार्य किया जा रहे हैं, उसे स्थिति में या ठेकेदार नेशनल हाईवे के भ्रष्ट अधिकारियों के भ्रष्ट कृत्य का खामियाजा आम जनता से वसूली किए गए टैक्स के पैसे से देकर करना पड़ेगा क्योंकि जब नेशनल हाईवे चौड़ा किया जाएगा तो यह व्यापारी फिर चौड़ीकरण के नाम पर करोड़ों रुपए का अपना दावा ठोकेगा और इस तरह से शासकीय धन पर डाका डालने का कार्य नेशनल हाईवे के अधिकारी और पेट्रोल पंप संचालक मिलकर के कर रहे हैं।

प्रशासन के सामने शिकायतकर्ता मजबूर और व्यापारी के सामने प्रशासन मजबूर?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर के अधीनस्थ नगर निवेश के अधिकारी भी इस व्यापारी के गिरफ्त में आते दिख रहे हैं वह भी राजनीतिक और आधिकारिक दबाव के साथ-साथ धन बल के आगे नत मस्तक हैं एनओसी देने के फिराक में हैं जो पूर्णता नियम विरुद्ध है, अनुमति प्रदान करने की सारी प्रक्रिया में आवेदक के शिकायत को दरकिनार कर लगभग अनुमति जारी करने की सारी तैयारी कर ली गई है, जबकि नियमों के तहत 1944-45 और 1954-55 में बड़े झाड़ का जंगल मद की भूमि पर अनुमति नहीं दिए जाने का प्रावधान है इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने निर्देश दिए हैं इन सब के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी इन सभी नियमों और दिशा निर्देशों को दरकिनार करते हुए सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों एवं संगठन के पदाधिकारी से लगातार कलेक्टर एवं नगर निवेश के अधिकारियों पर दबाव बनाकर उक्त अवेध कार्य कराए जाने की लगातार कोशिश की जा रही है और ऐसा पता भी चल रहा है पेट्रोल पंप संचालक सफल भी होता दिख रहा है लेकिन एनओसी देने वाले अधिकारियों को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि शिकायतकर्ता के द्वारा लगातार उक्त भूमि पर जो भी खामियां हैं शिकायत और आपत्तियां दर्ज कराई जाती रही हैं यदि अधिकारी आंख बंद कर उसको एनओसी देते हैं तो अवेध पेट्रोल पंप संचालक के विरुद्ध शिकायतकर्ता मजबूरन न्यायालय के शरण में जाकर गुहार लगाएगा...जिसमें नियम विरुद्ध कार्य करने वाले अधिकारी भी लपेटे में आएंगे और हो सकता है उन्हें न्यायालय के समक्ष दंडित भी किया जा सकता है इसलिए अधिकारियों को भी सोच समझकर उक्त बड़े झाड़ के जंगल मद की भूमि पर एनओसी प्रदान करने की जह मत नहीं उठानी चाहिए।

फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर का हुआ सम्मान,

भ्रष्टाचार के हैं डॉक्टर पर आरोप?

फर्जी डिग्री से बने बैठे हैं डॉक्टर,यह शिकायत हैं जांच में,प्रभाव से जांच है रुकी हुई...

-समरोज खान-
सूरजपुर,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश के एक निजी समाचार चैनल ने धनवंतरी चिकित्सक श्रेणी में सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल का सम्मान किया और उन्हें कोरोना काल का वारियर भी बताया और कर्तव्यनिष्ठ एवम काफी सेवाभावी बताया। डॉक्टर प्रिंस जायसवाल को कोरिया जिले में चिकित्सा क्षेत्र में अतुलनीय योगदान का अपनी जान की परवाह कोरोनाकाल में न करते हुए लोगों की जान बचाने के लिए सम्मानित किया गया। अब आइए जानते हैं कौन हैं डॉक्टर प्रिंस जायसवाल और क्या है इनकी हकीकत और कितने सेवाभावी हैं यह डॉक्टर और क्या यह डॉक्टर हैं भी की नहीं? डॉक्टर प्रिंस जायसवाल जो वर्तमान में सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम हैं के बारे में यदि बात करें तो बता दें यह आयुर्वेद चिकित्सक हैं और यह कोरिया जिले में वर्ष 2015 से संभवतः सेवा प्रदान कर रहे हैं वहीं यह चिकित्सा प्रदान करने के कार्य में नहीं लाभ के पद पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में डीपीएम की जिम्मेदारी सम्हालते आ रहे हैं। डॉक्टर प्रिंस जायसवाल खरीदी ,और एनएचएम अंतर्गत नियुक्तियों में भ्रष्टाचार के अलावा कोई अन्य उपलब्धि अपनी सेवाकाल में हासिल नहीं कर पाए हैं। और अधिक यदि डॉक्टर प्रिंस जायसवाल को लेकर बात की जाए तो यह डॉक्टर हैं भी यह अभी तक तय नहीं हुआ है क्योंकि बैकुंठपुर के ही एक पार्षद ने यह तथ्य सहित शिकायत की है की उनकी डॉक्टर की डिग्री ही फर्जी है और वह फर्जी डिग्री वाले झोलाछाप डॉक्टर हैं जिनकी डिग्री के फर्जी होने के पुख्ता प्रमाण हैं और उन पर वह कार्यवाही की मांग कर रहे हैं।

कोरोना काल की ही बात करें डॉक्टर प्रिंस ने सेवा के नाम पर भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं किया और खरीदी और अन्य जितना भ्रष्टाचार वह कर सकते थे

उन्होंने किया। बात बैकुंठपुर के जिला चिकित्सालय सहित जिले भर के डॉक्टरों की यदि की जाए तो प्रिंस जायसवाल के कोरिया जिले में कार्यरत रहते हुए सभी उनसे दुखी थे त्रस्त थे क्योंकि तत्कालीन कलेक्टरों को डॉक्टर प्रिंस जायसवाल भड़काकर डॉक्टरों का मनोबल कमजोर करते थे उन्हें अपने अनुसार भ्रष्टाचार में सहभागी बनने दबाव डालते थे। डॉक्टर प्रिंस जो शिकायत अनुसार फर्जी डॉक्टर हैं उनसे कोरिया जिले के डॉक्टर इतने परेशान थे की तत्कालीन सिविल सर्जन ने उन्हें जिला चिकित्सालय में बिना अनुमति प्रवेश से भी वंचित करने पत्र जारी किया था जिसमे उनके लिए इतना कुछ लिखा गया था जो उन्हे कभी सेवाभावी न होना जैसा साबित करने काफी था। उच्च अधिकारियों से सेटिंग कर डॉक्टरों को प्रताड़ित करना उल जलूल खरीदी करना और अपना नर्सिंग होम निजी चलाना ही इनकी सेवा है और जिसमे नर्सिंग कॉलेज भी इनका शिकायत एवं जांच के दायरे में है और जो लगातार सुर्खियों में रहने वाली खबर भी रहती है। बताया जा रहा है डॉक्टर प्रिंस ने सम्मान पाने काफी मोटी रकम प्रदान की है और इसीलिए उन्हें सम्मानित किया गया है। अब कई डॉक्टरों का और उन्हे जानने वालों का दबी जबान में कहना है की यदि सम्मान और सेवा भाव का पैमाना डॉक्टर प्रिंस जैसे लोगों की सेवा है तब तो प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था भगवान भरोसे ही कही जा सकती है क्योंकि फर्जी डॉक्टर को सम्मानित किया जाना ही अन्य डॉक्टरों का अपमान है।

छत्तीसगढ़ की बेटी ने जीता मिस क्वीन कंटिनेंटल इंटरनेशनल का ख़िताब

-संवाददाता-
कोरबा,22 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिले के तिलक भवन मे प्रेस वार्ता के दौरान महज 23 साल की उम्र मे इंटरनेशनल विजेता रही कोरबा माहि साँवरिया ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहाँ की वे इस वर्ष 2024 मे मिस क्वीन कंटिनेंटल इंटरनेशनल कांटेस्ट जो की वियेतनाम के चीनमुन सिटी मे आयोजित हुआ था मे बेस्ट इंट्रोडक्शन कैटगरी मे प्रथम स्थान हासिल की है। इस दौरान इस मुकाम तक पहूँचने के लिए उन्हें जो संघर्ष करना पड़ा उसे साझा किया। आगे उन्होंने कहा कि मेरा मानना है के मेहनत, समर्पण एवं आत्मविश्वास से हर मुकाम को पाया जा सकता है और मैंने मेहनत के बदौलत वियेतनाम के चीनमुन शहर मे आयोजित मिस क्वीन इंटरनेशनल कांटेस्ट मे भाग लेते हुए बेस्ट इंट्रोडक्शन कैटोगरी मे प्रथम स्थान हासिल की और अपने देश का नाम रोशन किया, जिसपर मुझे गर्व है।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग
सामान्य वनमंडल धरमजयगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि वनमंडल धरमजयगढ़ के काष्ठागार धरमजयगढ़ में उपलब्ध ईमारती, बांस एवं जलाऊ लकड़ी का दर्शित तिथि समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा नीलाम किया जावेगा।

1. नीलाम स्थान - काष्ठगार धरमजयगढ़
2. नीलाम दिनांक - 23.09.2024
3. नीलाम समय - प्रातः 9.00 बजे से प्रारंभ

अ.क्र.	प्रजाति	नया वनोपज		पुराना वनोपज		योग वनोपज	
		लट्ठा घ.मी.में	बल्ली नग में	लट्ठा घ.मी.में	बल्ली नग में	लट्ठा घ.मी.में	बल्ली नग में
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	0.000	0	95.061	0	95.061	0
2	साल	550.000	1000	778.719	349	1328.719	1349
3	बीजा	10.000	0	40.0185	0	50.185	0
4	खम्हार	0.000	0	2.402	0	2.402	0
5	साजा	20.000	200	14.747	118	34.747	318
6	हल्दू	0.000	0	1.055	0	1.055	0
7	धावड़ा	15.000	0	0.000	74	15.000	0
8	सलिहा	0.000	0	0.000	0	0.000	0
9	अन्य	10.000	200	3.971	0	13.971	200
10	आर.टी.एल	0.000	0	0.000	0	0.000	0
योगः-		605.000	1400	936.798	467	1541.140	1867
11	जलाऊ	500	चट्टा	441	चट्टा	941	चट्टा
12	औद्योगिक बांस	01 Miter	0	01 Miter	0	0	नग
		02 Miter	0	02 Miter	0	0	नग
13	व्यापारिक बांस	Nos		0	0	0	नग

अतः इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम की शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय में डिपो से प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त मात्रा में कमी-अधिकता संभव है।
टीपः-क्रेता को पेन नम्बर एवं रजिस्ट्रेशन वर्ष 2024 की छायाप्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

जी.नंबर-242502651/8

वनमण्डलाधिकारी
धरमजयगढ़ वनमण्डल

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम भनौरा स्थित भूमि खसरा नंबर 589/2 रकबा 0.02 आरे मेरे पक्षकार जगदीश चन्द्र मण्डल आ0 स्व0 सतीश चन्द्र मण्डल निवासी ग्राम धनगांव थाना रामानुजगंज तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ0ग0 के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि है, जिसे कृष्ण कुमार आ0 गनपत मार निवासी ग्राम भनौरा के द्वारा फर्जी रूप से अपने नाम पर दर्ज करवाकर उसे छोटे लाल गुप्ता आ0 स्व0 तेतर साय निवासी ग्राम बरदर को विक्रय कर दिया गया , तथा छोटे लाल गुप्ता के द्वारा पुनः उसे कृष्ण कुमार गुप्ता आ0 स्व0 सरजू प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम भनौरा को विक्रय कर दिया गया है। तथा जिसे कृष्ण कुमार गुप्ता पुनः उसे अनंयत्र विक्रय करने हेतु प्रयासरत है। जबकि उक्त भूमि के संबंध में बलरामपुर एवं रामानुजगंज के विभिन्न राजस्व एवं सिविल न्यायालयों में वाद विचाराधीन है।

अतः कोई भी व्यक्ति अथवा वित्तिय संस्थान कृष्ण कुमार गुप्ता आ0 स्व0 सरजू प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम भनौरा से उपरोक्त वर्णित भूमि के किसी भी अंश को न तो क्रय करने का सौदा करें और न ही उसे कोई अग्रिम राशि अथवा विक्रय मूल्य प्रदान करें और न ही कोई अनुबंध पत्र अथवा विक्रय पत्र निष्पादित कराये, अन्यथा वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

भवदीय
योगेन्द्र कश्यप
(अधिवक्ता)अम्बिकापुर
मो0नं0- 9926744580

सील

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0

(ELECTRIFICATION ZONAL TENDER)

क्रमांक/1375/व0ले0लि0/ग्रायांसेवा/2024-25 अम्बिकापुर दिनांक- 18.09.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में विद्युतीकरण हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन (Online) निविदा दिनांक 03.10.2024 तक आमंत्रित की जाती है:-

क्र0	ऑन लाई निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (लाख में
1	2	3	4
1	158723,158724 & 158725	Electrification work under Zonal Tender up to Rs 0.15 to 10.00 lakh at Janpad Panchayat area Batouli,Lundra & Municipal Corporation area Ambikapur	4000 for each Tender

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, घरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://ecproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेब साईट से दिनांक 18.09.2024 से डाउनलोड की जा सकती है।

अन्तोनी तिर्की
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग अम्बिकापुर

जी0नं0 -242502633/1

CMYK

संक्षिप्त खेल की खबरें

मैं इस वापसी को हर दिन सेलीब्रेट कर रहा हूं : ऋषभ पंत

चेन्नई,22 सितंबर 2024। चोट के दो साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में शानदार शतक लगाया और शुभमन गिल के साथ शतकीय साझेदारी की जिसकी बदौलत भारत ने मेहमान टीम को 280 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

मैच के बाद ऋषभ पंत ने कहा, चेन्नई में खेलना मुझे काफ़ी अच्छा लगता है। इंजरी के बाद मुझे तीनों फॉर्मेट में वापसी करनी थी। उसके बाद यह मेरा पहला टेस्ट मैच था। मैं इस वापसी को हर दिन सेलीब्रेट कर रहा हूं। यह थोड़ा इमोशनल मामला भी था। मैं अपने हर मुक़ाबले में अच्छा स्कोर बनाना चाह रहा था।

मेरा फोकस गेंदबाजी पर रहता है,बल्लेबाजी नेचुरल है

चेन्नई,22 सितंबर 2024।अनुभवी स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने एक ही टेस्ट मैच में शतक और पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड चौथी बार कारनामा किया जिससे भारत ने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 280 रन की जीत के साथ श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।इसके अलावा, अश्विन ने 37वीं बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया और महान शेन वार्न के बराबर पहुंच गए, उनसे आगे केवल श्रीलंका के महान मुथैया मुरलीधरन (67) हैं।

चौथे दिन पहले ही सत्र में बांग्लादेश 205/5 से 234 पर सिमट गया और मेहमान टीम ने 30 रन से भी कम पर अपने बाकी 5 विकेट खो दिए। अश्विन और रवींद्र जडेजा ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों के खिलाफ दबदबा बनाया।

भारत ने टेस्ट मैच में बांग्लादेश को रौंदा

- भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ दर्ज की ऐतिहासिक जीत...
- 92 सालों में पहली बार हुआ ऐसा...

चेन्नई,22 सितंबर 2024। भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच को टीम इंडिया ने बड़ी आसानी के साथ अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया ने इस मैच में बांग्लादेश को 280 रनों से हराया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की जीत में आर अश्विन का रोल काफी अहम रहा। उन्होंने इस मुकाबले की पहली पारी में शतक जड़ा और आखिरी पारी में 6 विकेट भी लिए। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में यह टीम इंडिया की छठी जीत है। बता दें कि टीम इंडिया ने पहली बार किसी टीम के खिलाफ लगातार 6 मैच जीते हैं।

टीम इंडिया के लिए ऐतिहासिक रही ये जीत

भारतीय क्रिकेट टीम 92 सालों से टेस्ट मैच खेल रही है। 92 सालों में पहली बार भारत ने ऐसी जीत दर्ज की है। टेस्ट क्रिकेट में यह टीम इंडिया की 179वीं जीत है। इस मैच के शुरू होने से पहले टीम इंडिया के 178 जीत और 178 हार थे। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब भारतीय टीम की जीत की संख्या हार से ज्यादा हुई है। यही कारण है कि इस जीत को ऐतिहासिक माना जा रहा है। टीम इंडिया ने इस पल के लिए 92 सालों तक का इंतजार किया है।

कैसा रहा पूरे मैच का हाल

दोनों टीमों के बीच खेले गए इस मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। जहां टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करने के लिए

उतरी और 144 रन पर भारत ने 6 विकेट गंवा दिए। उस मुश्किल स्थिति में टीम इंडिया को आर अश्विन और रवींद्र जडेजा ने बाहर निकाला। अश्विन ने 113 और जडेजा ने 86 रनों की पारी खेली। जिसके कारण टीम इंडिया ने पहली पारी में 376 रन बनाए। दोनों खिलाड़ियों ने टीम इंडिया को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। इस दौरान बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने 5 विकेट झटके। इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी करने के लिए आई और वह 149 रन पर ऑलआउट हो गए और टीम इंडिया के पास 227 रनों की लीड हासिल हो गई। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने उस पारी में सर्वाधिक 4 विकेट झटके थे।

पंत-गिल का शतक और अश्विन का पंजा

227 रनों की लीड के साथ एक बार फिर से भारतीय बल्लेबाज मैदान पर उतरे और एक बार फिर से टीम इंडिया की पारी मुश्किल में नजर आई। जब उन्होंने 67 रनों पर 3 विकेट खो दिए। यहां से ऋषभ पंत और शुभमन गिल ने शतक जड़ा और टीम इंडिया के स्कोर को 287 रन पर पहुंचाया। भारत ने सिर्फ 4 विकेट खोए थे। तब ही कप्तान रोहित शर्मा ने 514 रनों की लीड पर पारी को घोषित कर दिया और बांग्लादेश को जीत के लिए 515 रनों का लक्ष्य दिया। इस टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम 234 रनों पर ऑलआउट हो गई और टीम इंडिया ने यह मैच 280 रनों से जीत लिया। इस पारी में भारत की ओर से अश्विन ने शानदार गेंदबाजी की और 21 ओवर में 88 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। अश्विन को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एनसीए ने सूर्यकुमार को बताया फिट

बांग्लादेश के खिलाफ संभालेगा बड़ी जिम्मेदारी

नईदिल्ली,22 सितंबर 2024। भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। टीम इंडिया ने सीरीज के पहले मुकाबले को अपने नाम किया। वहीं सीरीज का पहला मैच खत्म होते ही बीसीसीआई ने दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम के स्क्वाड का ऐलान भी कर दिया। यह टेस्ट मैच कानपुर में खेला जाना है। इस मैच से पहले टीम इंडिया के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। दरअसल भारत के एक स्टार खिलाड़ी को एनसीए ने पूरी तरह से फिट घोषित कर दिया है और यह खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के तीसरे राउंड में इंडिया बी टीम के लिए खेल भी रहा है। यह खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि सूर्यकुमार यादव हैं।

इस टूर्नामेंट के दौरान हुए थे चोटिल

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव अंगूठे की इंजरी से उबर चुके हैं और रविवार को अनंतपुर में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी के तीसरे और अंतिम दौर में भारत डी के खिलाफ भारत बी की ओर से खेलते नजर आए। सूर्या ने इस टूर्नामेंट में सरफराज खान को रिप्लेस किया जो इस वक्त भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। सूर्यकुमार यादव को दलीप ट्रॉफी के पहले दो दौर से बाहर होना पड़ा था क्योंकि वह पिछले महीने टीएनसीए इलेवन के खिलाफ मुंबई के बुची बाबू टूर्नामेंट मैच के दौरान लेग स्लिप पर फील्डिंग करते समय अपने दाहिने हाथ के अंगूठे में चोट लगने के बाद बेंगलुरु में बीसीसीआई की नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब कर रहे थे। हालांकि अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 06 अक्टूबर से खेला जाएगा।

टीम इंडिया में संभालेंगे बड़ी जिम्मेदारी

टीम इंडिया बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद टी 20 सीरीज भी खेलेगी। इस सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव पूरी तरह से फिट नजर आ रहे हैं। इस टी 20 सीरीज के दौरान सूर्या टीम इंडिया की कप्तानी संभालते नजर आ सकते हैं। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ खेली गई टी 20 सीरीज के दौरान भारतीय टी 20 टीम का कप्तान बनाया गया था। सूर्या का बांग्लादेश के खिलाफ खेल पाना मुश्किल नजर आ रहा था, लेकिन दलीप ट्रॉफी में उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देख फैंस को राहत मिली है। हालांकि दलीप ट्रॉफी में वह सिर्फ 21 रन बना सके।

ऑस्ट्रेलिया से मिली करारी हार के बाद छलका इंग्लैंड के कप्तान का दर्द

लंदन,22 सितंबर 2024। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इंग्लैंड को 68 रनों से हरा दिया। इसी जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड को 271 रनों का टारगेट दिया, जिसके जवाब में इंग्लैंड की पूरी टीम 202 रन ही बना पाई और पूरे 50 ओवर नहीं खेल पाई। इंग्लैंड ने बल्लेबाजों ने बहुत ही खराब प्रदर्शन किया। इस मैच में मिली हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक बेहद निराश नजर आए। बता दें कि जोस बटलर की गैरमौजूदगी में हैरी ब्रूक इस सीरीज में इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के बाद हैरी ब्रूक ने कहा कि हमने अच्छी गेंदबाजी की, उन्हें 270 पर रोकने के लिए हमने अच्छा काम किया। जाहिर तौर पर हमने पावरप्ले में शुरुआती विकेट खो दिए और इससे हमें नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी टीम ने दबाव बनाने के लिए सकारात्मक विकल्प अपनाए लेकिन सफलता नहीं मिली।

चेन्नई सुपर किंग्स 5 खिलाड़ियों को करेगी रिटेन

नईदिल्ली,22 सितंबर 2024। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले सभी टीमों को अपने-अपने रिटेन और रिलीज प्लेयर्स की लिस्ट सौंपनी होगी. इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है, जिसमें उन 5 प्लेयर्स के नाम बताए गए हैं, जिन्हें फ्रेंचाइजी अपकमिंग मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन करने की प्लानिंग कर रही है।आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अपने अहम खिलाड़ियों को रिटेन करना चाहेगी, ताकि मेगा ऑक्शन से पहले उनके पास कोर टीम हो. इस बीच रिपोर्ट्स के हवाले से खबर सामने आ रही है कि सीएसके ऋतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, एमएस धोनी और मथीशा पथिराना को रिटेन करने के बारे में सोच रही है।

हालांकि, अब तक फ्रेंचाइजी ने ऑफिशियली कोई भी बयान नहीं दिया है। इतना ही नहीं एमएस के नाम को लेकर चर्चा हो रही है कि वह अपकमिंग सीजन से पहले रिटायरमेंट का ऐलान कर सकते हैं। आपको बता दें, सीएसके के सीईओ एन श्रीनिवासन ने हाल ही में कहा था कि धोनी के रिटेंशन का फैसला तभी होगा, जब बीसीसीआई रिटेन किए जाने वाले प्लेयर्स की गिनती की घोषणा करती है।

पिछले महीने फ्रेंचाइजी के मालिकों और आईपीएल ऑफिशियल्स की मीटिंग हुई थी, जिसमें कई ओनर्स ने रिटेंशन नियमों में बदलाव की मांग की थी। उनका कहना है कि रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों की गिनती बढ़ाई जानी चाहिए। हालांकि, वहीं, कई मालिक इससे सहमत नहीं दिखे।हालांकि, अधिकारियों ने इसपर फैसला टाल दिया. रिपोर्ट्स की मानें, तो नवंबर के आखिर तक आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए रिटेंशन नियम सामने आ सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले सीजन से पहले होने वाले मेगा ऑक्शन में रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों की गिनती बढ़ेगी और टीमें 5-6 प्लेयर्स को रिटेन कर सकेंगी. बताते चलें, खबरें हैं कि आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन भारत के बजाए विदेश में आयोजित हो सकता है. इसके लिए यूएई और लंदन के नाम सामने आए हैं।

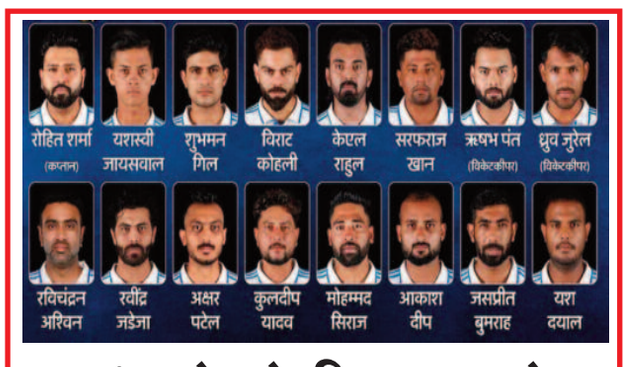

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित

नईदिल्ली,22 सितंबर 2024। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने चेन्नई टेस्ट में टीम इंडिया की जीत के बाद कानपुर में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया का एलान कर दिया है। बीसीसीआई ने भारत की जीत के तुरंत बाद दूसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया का एलान किया। बता दें कि भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे व अंतिम टेस्ट के लिए वही टीम बरकरार रखी है। बीसीसीआई ने पहले टेस्ट की टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। दूसरे टेस्ट के लिए भी 16 सदस्यीय टीम है।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारत की टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (रिजर्व विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल ,कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल।

गुकेश ने कारुआना को हराया

भारत पहले स्वर्ण पदक के करीब

नईदिल्ली,22 सितंबर 2024। ग्रैंडमास्टर एवं विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने यहां 45वें शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुषों के लिए पहले स्वर्ण पदक की उम्मीद जगाते हुए अमेरिका के फैबियानो कारुआना को हरा दिया। नवंबर में सिंगापुर में अगला विश्व चैम्पियनशिप मैच खेलने के लिए तैयार, गुकेश ने शीर्ष वरीयता प्राप्त टीमों के खिलाफ अपनी हिम्मत का प्रदर्शन करते हुए एक और कठिन खेल खेला और शीर्ष रैंक वाले कारुआना को हराया। यह एक कैटलन ओपनिंग थी जिसमें गुकेश ने एक मोहरा पकड़ने के बाद खेल के बाद के चरणों की जटिलताओं को अपने पक्ष में कर लिया। दबाव में, कारुआना कुकी की तरह टूट गया और जल्द ही उसने दूसरा मोहरा खो दिया, जिससे गुकेश को जीत का अंतिम गेम खेलने का मौका मिला।

अर्जुन और लैला हनीमून पर हैं

एक्टर ऋतिक रोशन और कटरीना कैफ एक नए ऐड में एक साथ नजर आए। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर कंपनी ने दोनों की साथ वाली एक पोस्ट शेयर की। फोटो में ऋतिक रोशन ने काले रंग का आउटफिट पहना हुआ था और वह कटरीना की ओर देख रहे थे। उन्होंने एक्टर के कंधे पर हाथ रखते हुए और मुस्कुराते हुए लाल रंग की ड्रेस पहनी हुई थी। कटरीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दिल वाले इमोजी के साथ पोस्ट को दोबारा शेयर किया।

पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए एक फैन ने कहा- लैला और अर्जुन ने शादी कर ली है। वे एक-दूसरे से मैच करते हैं। एक ने लिखा- बेस्ट ऑनस्क्रीन जोड़ी। लैला और अर्जुन अपने हनीमून फेज में हैं। एक ने कहा- अब तक की सबसे अच्छी दिखने वाली और भव्य जोड़ी। लैला और अर्जुन मोरक्को में रहने के बाद काम पर हैं।

90 करोड़ में बनी ये फिल्म ओटीटी पर देगी दस्तक

नेचुरल स्टार नानी की सारिपोधा सानिवारम 29 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म विवेक अथरेया के साथ अंते सुंदरानिकी के बाद उनकी दूसरी फिल्म थी। सारिपोधा सानिवारम को दर्शकों से काफी अच्छा रिव्यू मिला था और यह एक ब्लॉकबस्टर फिल्म बन गई, जिसने रिलीज होते ही शानदार कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी। अगर आप भी साउथ सुपरस्टार नानी की ये फिल्म सिनेमाघरों में देखने से चूक गए हैं तो चिंता न करें। मेकर्स ने फिल्म सारिपोधा सानिवारम की ओटीटी रिलीज का एलान कर दिया है। इस फिल्म के साथ नानी के करियर में एक और हिट फिल्म जुड़ गई है।

नानी की फिल्म सारिपोधा सानिवारम सिनेमाघरों में रिलीज होने के लगभग एक महीने बाद ओटीटी पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। नानी स्टारर यह फिल्म 26 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। तेलुगु अभिनेता नानी की एक्शन-थ्रिलर सारिपोधा सानिवारम सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद नेटफ्लिक्स पर धमाका करने के लिए दस्तक देने वाली है। एसजे सूर्या भी इस फिल्म में नजर आए है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने शनिवार, 21 सितंबर को घोषणा करते हुए कैप्शन में लिखा, सूर्य हर दिन चमकता है। सूर्य! शनिवार को #सारिपोधा सानिवारम नेटफ्लिक्स पर 26 सितंबर को तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में आ रही है!

सारिपोधा सानिवारम तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में उपलब्ध होगी। सारिपोधा सानिवारम में प्रियंका मोहन, अभिरामी, अदिति बालन, पी साई कुमार, सुभलेखा सुधाकर, मुरली शर्मा और अजय घोष भी लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन विवेक अथरेया ने किया है। फिल्म में एसजे सूर्या ने खलनायक की भूमिका निभाई है। फिल्म का संगती जेक्स बेजॉय ने दिया है। वहीं, डीवीवी दानय्या और कल्याण दासारी ने डीवीवी एंटरटेनमेंट के तहत सारिपोधा सानिवारम को का निर्माण किया है।

अंजलि अब हो गई है बड़ी

कुछ कुछ होता है फिल्म के राहुल, अंजली और टीना तो याद ही होंगे। फिल्म में ये किरदार शाहरुख खान, काजोल और रानी मुखर्जी ने निभाए थे। इस फिल्म को रिलीज हुए अब 26 साल हो चुके हैं। ये करण जौहर की बतौर डायरेक्टर पहली फिल्म थी। इसलिए करण आज भी इस फिल्म को लेकर काफी इमोशनल हैं। इस फिल्म में कई बाल कलाकार भी नजर आए थे। सना सईद ने फिल्म में शाहरुख खान और रानी मुखर्जी के किरदार राहुल और टीना की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम अंजलि था। फिल्म में ये किरदार सना सईद ने निभाया था, कल उसका जन्मदिन था। सना ने पहली बार कुछ कुछ होता है में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम किया और उन्हें इस अंजलि के किरदार में खूब पसंद किया गया। उन्हें इस फिल्म ने खूब पॉपुलैरिटी दिलाई। सना ने जब ये फिल्म की उस वक्त उनकी उम्र 10 साल थी। मुंबई की रहने वाली सना 22 सितंबर 1988 को पैदा हुई थीं। लेकिन, अब कुछ कुछ होता है कि छोटी अंजलि बिल्कुल बदल चुकी है और अब बेहद ग्लैमरस और हसीन हो चुकी हैं।

मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है...

» पूर्व सीएम भूपेश बघेल का चीफ जस्टिस को लेटर, चौंकाने वाले खुलासे
» भूपेश बघेल ने चीफ जस्टिस को लिखा लेटर
» कोयला परिवहन घोटाले में साजिश का आरोप
» लेटर में पूर्व सीएम ने किए कई खुलासे
» कहा-आईपीएस अधिकारी मुझे फंसाना चाहते हैं...

रायपुर, 22 सितम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लेटर लिखा है। 7 पेज के लेटर में भूपेश बघेल ने कई ऐसी बातें लिखी हैं जो चौंकाने वाली हैं। भूपेष बघेल ने कहा कि मेरे खिलाफ साजिश की जा रही है और मुझे कई केसों में फंसाने की योजना है। कोयला परिवहन घोटाले में जेल में बंद कारोबारी सूर्यकांत तिवारी का लेटर वायरल होने के बाद सियासत तेज हो गई है। भूपेश बघेल सूर्यकांत तिवारी से मिलने के लिए जेल भी गए थे लेकिन उनको मिलने नहीं दिया गया।

क्या लिखा भूपेश बघेल ने?

भूपेश बघेल ने लेटर में लिखा है- मैंने 17 दिसंबर 2018 से 3 दिसंबर 2023 तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। इस अवधि के दौरान मैंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी,निष्ठा और गरिमा के साथ किया तथा सर्वोच्च संवाधानिक मर्यादाओं का पूर्ण पालन किया। देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर आपकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के कारण आपकी व्यस्तता से मैं अवगत हूं परंतु छत्तीसगढ़ में जो संविधान हत्यात्मक परिस्थितियां लगातार बन रही हैं। इसकी वजह से मैं आपको व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखने के लिए बाध्य हुआ हूं।छत्तीसगढ़ में कोयला परिवहन में कथित अवैध वसूली के एक प्रकरण में जांच ईडी द्वारा विगत चार वर्षों से की जा रही है। राज्य में पिछले नवंबर में हुए चुनाव के बाद सत्ता परिवर्तन हुआ। इसके बाद राज्य की एसीबी/ईओडब्ल्यू द्वारा भी एक प्रकरण दर्ज किया गया। इन अभियुक्तों में सूर्यकांत तिवारी नाम के व्यापारी हैं। तिवारी ने 9 सितंबर विशेष न्यायाधीश के समक्ष एक आवेदन दिया है।इस आवेदन के अनुसार, 8 सितंबर को एसीबी/ईओडब्ल्यू के निदेशक आईपीएस अमरेश कुमार मिश्रा जेल पहुंचे और उन्होंने सूर्यकांत तिवारी से कहा कि वे कोयला परिवहन के कथित अपराध में मेरी (भूपेश बघेल) की संलिप्तता को स्वीकार करें। तिवारी के अनुसार, अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें अन्य प्रकरणों में भी आरोपी बना दिया जाएगा और परिजनों को भी जेल भेज दिया जाएगा।

मेरा नाम जोड़ने की साजिश

भूपेश बघेल ने आगे लिखा-महोदय मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि यह पूरी प्रक्रिया न केवल विधि के आदारभूत सिद्धांतों के विपरीत है बल्कि यह पूर्वाग्रहों से भरी एक सुनियोजित साजिश है। इस साजिश का उद्देश्य मेरा नाम किसी भी तरह से एक अपराध में जोड़ना है और एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी षड्यंत्र कर रहे हैं। भूपेश बघेल ने कहा कि मैं ने किसी भी आपराधिक मामले की जांच में कोई बाधा नहीं डाली है। ईडी ने मुझपर और मेरे करीबी लोगों पर जिस तरह के गंभीर आरोप लगाने की कोशिश की है उसमें मुझे एक राजनीतीक षड्यंत्र की बू आती है। अवैध आरोपों के माध्यम से मेरे राजनीतिक करियर को समाप्त करना है।

हस्तक्षेप करने की अपील

भूपेश बघेल ने इस पूरे मामले में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लेटर लिखकर कहा है कि संविधान का सर्वोच्चता को बनाए रखने के लिए आप से हस्ताक्षेप की प्रार्थमा करता हूं। इससे संविधान पर जनता को विश्वास बना रहेगा और न्याय सुनिश्चित होगा।

प्रिंसिपल ने की छात्रा की पिटाई,घटना सीसीटीवी में कैद

बिलासपुर, 22 सितम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक मासूम छात्रा की पिटाई की वीडियो सामने आया है। गुस्से में आत्मानंद स्कूल के प्रिंसिपल मासूम छात्रा को फटकार लगा रहे हैं और उसे थप्पड़ मार रहे हैं। मामला जिले के मस्तूरी विकासखंड के पचपेड़ी गांव का है। वायरल वीडियो पर कलेक्टर ने सख्त कार्रवाई की है। छात्रा के परिजनों ने मामले की शिकायत कलेक्टर से की थी।

आप पार्टी ने छत्तीसगढ़ में नए प्रवक्ताओं और पदाधिकारियों की नियुक्ति की

रायपुर, 22 सितम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने संगठन में बड़े फेरबदल करते हुए 114 नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। इस नियुक्ति प्रक्रिया में पार्टी ने 9 उपाध्यक्षों के साथ-साथ कोषाध्यक्ष, महासचिव और मीडिया प्रभारी नियुक्त किए हैं।इसके अलावा, रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में नए जिला अध्यक्ष बनाए गए है। इन पदाधिकारियों में कई पुराने कार्यकर्ताओं को पार्टी ने संगठन में जगह दी है। जो लंबे समय से लगातार सक्रिय थे।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

सीआरपीएफ जवानों की बस पलटी,20 घायल

जगदलपुर-रायपुर, 22 सितम्बर 2024(ए)। आज बास्तानार घाट में सीआरपीएफ जवानों से भरी एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के दौरान ट्रक में 20 जवान सवार थे, जिनमें से 3 जवानों को मामूली चोटें आई हैं। घायल जवानों का इलाज गीदम अस्पताल में किया गया। ये जवान 74,223,171 बटालियन से थे और दोरनापाल से बारसूर की तरफ जा रहे थे। राहत की बात यह है कि सभी जवानों की स्थिति सामान्य है, और उन्हें दूसरी सीआरपीएफ वाहन में बारसूर के लिए रवाना कर दिया गया है।

थाना से आरोपी फरार, दो आरक्षक निलंबित

जांजगीर-रायपुर,22 सितम्बर 2024(ए)। बम्हनीडीह थाना से आरोपी रमेश सिदार के फरार होने के मामले में पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात दो आरक्षकों, रोहित मस्ताना और इंद्रजीत कंवर, को निलंबित कर दिया है। फरार आरोपी को पुलिस ने सक्ती जिले के कचंदा गांव से पुनः गिरफ्तार कर लिया है।

8 करोड़ की हुईधोखाधड़ी

बिलाईगढ़-सारंगढ़ ,22 सितम्बर 2024(ए)। प्रार्थिया किरण साहू निवासी टुंडरी द्वारा दिनांक 30.06.2019को थाना बिलाईगढ़ उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि आरोपिया लीला वर्मा, अरुण वर्मा, उमेंद्र, अनिल कुम्भज, उमा वर्मा के द्वारा गांव के महिलाओं तथा ग्रामवासियों को एलोवेरा खेती करने, रोजगार दिलाने, उनके द्वारा जमा की जाने वाली राशि पर प्रति माह 5 प्रतिशत ब्याज देने का झांसा देकर आसपास के 200 ग्रामवासियों से करीब 08 करोड़ रु जमा कराकर फरार हो गये है। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना बिलाईगढ़ में आरोपीयों के विरूद्ध अप क्र 209/19धारा 420 ,34 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया।

स्कूल में बियर पार्टी का हुआ भांडाफोड़

» लगेगी गुप्त शिकायत पेटी,
» क्लास मॉनिटर करेंगे निगरानी

बिलासपुर, 22 सितम्बर 2024 (ए)। जिले के कलेक्टर अवनीश शरण ने सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने और अनुशासन बनाए रखने के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। दरअसल हाल ही में एक सरकारी स्कूल में छात्राओं के बियर पीने के वीडियो के वायरल होने के बाद यह कदम उठाया गया है। कलेक्टर ने सभी स्कूलों में नियमित निरीक्षण, समय पर प्रार्थना और शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

लंच में परिसर से बाहर नहीं जा सकेंगे विद्यार्थी

कलेक्टर के निर्देशानुसार, भोजन अवकाश में बच्चों को विद्यालय परिसर से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। परिसर में बाहरी विक्रेताओं की एंट्री पर भी सख्त प्रतिबंध होगा। इसके अलावा, विद्यालय परिसर में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था करने और तंबाकू मुक्त क्षेत्र का पालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

बियर को लेकर छात्राओं ने दी ये सफाई

बिलासपुर जिले में कुछ दिन पहले ही मस्तूरी इलाके के एक सरकारी स्कूल की कुछ छात्राओं का क्लास रूम में बियर पीने का वीडियो वायरल हुआ था, जिससे शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया था। जांच के दौरान छात्राओं ने बताया कि उन्होंने मौज-मस्ती के लिए यह वीडियो बनाया था, उन्होंने बियर नहीं पी थी, बल्कि बियर की बोतल खाली थी। इस घटना के बाद सीएम के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने एहतियातन ये कदम उठाए हैं। हालांकि जिस तरह स्कूल पहुँचने वाले सभी छात्र-छात्राओं के बैग्स चेक करने को कहा गया है, इस कार्य में काफी वक्त जाया होगा। बहरहाल देखना होगा कि बिलासपुर जिले के स्कूलों में नई गाइडलाइन का पालन के लिए स्कूल प्रबंधन किस तरह की तरकीब अपनाते हैं।

सभी के बैग्स की होगी चेकिंग

दिशा-निर्देश के अनुसार, अब सभी स्कूलों में बच्चों के बैग नियमित रूप से चेक किए जाएंगे ताकि किसी भी अवांछित वस्तु को स्कूल में लाने से रोका जा सके। प्रार्थना समय पर होगी, और इसमें सभी शिक्षकों व कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। इसके साथ ही, प्रत्येक कालखंड में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी ताकि कोई भी कक्षा खाली न रहे।

गुप्त तरीके से शिकायत कर सकेंगे छात्र

विद्यालयों में कक्षा प्रतिनिधि और छात्र परिषद का गठन किया जाएगा, जो अवांछित गतिविधियों पर नजर रखेंगे। इसके लिए एक पत्र पेटी भी स्कूलों में स्थापित की जाएगी, जिसमें छात्र गुप्त रूप से शिकायतें दर्ज कर सकें। इसके साथ ही, शिक्षक-पालक संघ की बैठक हर माह अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएगी।

अनुशासनहीनता पर होगी की कार्यवाही

कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि किसी भी विद्यालय में अनुशासनहीनता पाए जाने पर संबंधित शिक्षक और संस्था प्रमुख पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, जर्जर कक्षाओं में पढ़ाई नहीं कराई जाएगी।

68 मूल्यांकनकर्ताओं पर गिरी गाज

आंसर शीट के मूल्यांकन में लापरवाही बरतने पर माशिमं ने 3 से 5 साल तक के लिए किया ब्लैक लिस्ट

रायपुर,22 सितम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन में लापरवाही बरतने वाले 68 शिक्षकों को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। इनमें से 61 शिक्षकों को तीन साल के लिए और 7 शिक्षकों को पांच साल के लिए मंडल के कार्यों से वंचित किया गया है। इस फैसले का असर उनके वार्षिक वेतन वृद्धि (एनुअल इन्क्रीमेंट) पर भी पड़ेगा। मंडल ने यह कदम तब उठाया जब प्रदेश भर के लगभग 10,000 छात्रों ने पुनर्गणना और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया। पुनर्मूल्यांकन के दौरान यह पाया गया कि कई छात्रों के अंकों में 20 से लेकर 50 अंक तक की बढ़ोत्तरी हुई, विशेष रूप से हिंदी विषय में।
माशिमं ने 20 अंक से अधिक की वृद्धि को गंभीर लापरवाही मानते हुए मूल्यांकनकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।

कवर्धा के नए एसपी राजेश कुमार अग्रवाल ने संभाला पदभार

कवर्धा, 22 सितम्बर 2024(ए)। जिले के लोहारीडीह अग्निकांड के बाद बिगड़ी कानून व्यवस्था को सुधारने राज्य की सरकार ने सख्त कदम उठाया था। सामान्य प्रशासन विभाग ने जिले के एसपी और चर्चित अफसर डॉ अभिषेक पल्लव को जिले से हटाते हुए पुलिस मुख्यालय भेज दिया था। इसके साथ ही एक अन्य आदेश में जिले के कलेक्टर जन्मेजय महोबे का तबादला भी अन्यत्र कर दिया गया था। ट्रांसफर आदेश के अनुपालन में नए पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल ने रविवार को कवर्धा एसपी के तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया है। जिला पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर आला पुलिस अधिकारियों ने उन्हें अपना परिचय दिया और पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

एचसी ने रिटायर अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश को किया निरस्त

बिलासपुर,22 सितम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारी रविंद्र कुमार कुकरेजा के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश को उच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया है। न्यायालय ने यह फैसला क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक विनियम 2010 के आधार पर दिया, जिसके अनुसार यदि सेवानिवृत्ति से पहले विभागीय जांच प्रारंभ नहीं की गई, तो सेवानिवृत्ति के बाद जांच नहीं की जा सकती। रविंद्र कुमार कुकरेजा, जो स्केल-3 अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, 31 मई 2014 को सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति से के बाद 29 जून 2014 को उन्हें सूचित किया गया कि उनके खिलाफ विभागीय जांच संस्थित की जाएगी, और सेवानिवृत्ति लाभ रोक दिए गए।

जमीन दलालों ने महिला से ठगे 63 लाख रुपए

बिलासपुर,22 सितम्बर 2024 (ए)। जमीन दलालों ने महिला से 63 लाख रुपए में जमीन का सौदा करके उसे सिर्फ 12 लाख ही दिए। दस्तावेजों में रकम कम दिखाने की बात कहते हुए रजिस्ट्री भी करा ली। अब सौदे की बाकी रकम 51 लाख रुपए मांगने पर महिला को धमकाने लगे। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने तीनों जमीन दलालों पर धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर लिया है। सरकंडा मोपका स्थित विवेकानंद कॉलोनी की निवासी पूर्णिमा यादव के पति नाम पर ग्राम चोरहादेवरी रतनपुर में 6.65 एकड़ जमीन है।

ग्यारह लाख के तीन इनामी सहित आठ सक्रिय माओवादियों ने किया पुलिस के समक्ष समर्पण

» वर्ष 2024 में अब तक 178 माओवादीयों ने किया समर्पण वहीं 378 माओवादियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बीजापुर-रायपुर,22 सितम्बर 2024(ए)। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर, उप पुलिस महानिरीक्षक दंतेवाड़ा, उप पुलिस महानिरीक्षक केरिपु आप्स बीजापुर के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे माओवादी उन्मूलन अभियान के दौरान डीआरजी, बस्तर फाइटर, 85वीं वाहिनी केरिपु, 222वीं केरिपु एवं 202, 210 कोबरा बटालियन द्वारा किये जा रहे संयुक्त प्रयासों से व शासन की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति और नियद नेल्लानार योजना से प्रभावित होकर गंगालूर एरिया कमेटी, नेशनल पार्क एरिया कमेटी एवं उसूर पामेड़ एरिया कमेटी के प्लाटून कमान्डर, पार्टी सदस्य एवं जनताना सरकार अध्यक्ष सहित 08 माओवादीयों ने शनिवार दिनांक 21/09/2024 को उप पुलिस महानिरीक्षक केरिपु बीजापुर देवेंद्र सिंह नेगी, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव, कमाडेंट 85वीं वाहिनी सुनील कुमार, 222वीं वाहिनी विजेंद्र कुमार, कमाडेंट 202 कोबरा अमित कुमार, 210 अशोक कुमार, उप पुलिस अधीक्षक ऑप्स सुदीप सरकार, के समक्ष

माओवादीयों की खोखली विचारधारा, भेदभाव पूर्ण व्यवहार, उपेक्षा व प्रताडना से तंग आकर एवं शासन की पूनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादीयों में 08लाख रूपये का इनामी माओवादी पीपीसीएम, प्लाटून नंबर 12 का कामान्डर चंदन कुरसम पिता बुढ़ता उम्र 38 वर्ष निवासी कोकरा थाना बीजापुर, मंगली पोटमी उम्र 25 वर्ष निवासी पुसनार पर 02लाख रूपये का ईनाम घोषित था, यह संगठन में नेशनल पार्क कमेटी अंतर्गत प्लाटून नंबर 02 की सदस्य थी। 01लाख रूपये का इनामी मनकेली आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष शामिल है। इनके आलावा आरपीसी सीएनएम अध्यक्ष रामु लेकाम आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सी सेक्शन कमान्डर महेश यादव, मिलिशिया कमांडर सुदरू हेमला, सीएनएम उपाध्यक्ष हूंगा डोडी और जनताना सरकार सदस्य सुरीता यादव शामिल हैं। आत्मसमर्पित सभी माओवादी विभिन्न गंभीर घटनाओ में शामिल थे और इन पर अलग अलग थानों में स्थाई वारंट भी जारी थे। आत्मसमर्पित सभी माओवादीयों को शासन की आत्मसमर्पण एवं पूनर्वास नीति के तहत 25000-25000/- रूपये नगद प्रदाय किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)